सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25


# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 240 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 13 जून 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


# अहमदाबाद प्लेन क्रैशः 241 यात्रियों सहित 265 की मौत

## डीएनए सैंपलिंग शुरू, पीएम मोदी ने घटनास्थल का दौरा किया, घायलों से भी मिले

- एक यात्री की बची जान
- मृतकों में हॉस्टल के मेडिकल स्टूडेंट भी शामिल
- टाटा ग्रुप मृतकों के परिजनों को देगा एक करोड़

अहमदाबाद ए.। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार को हुए प्लेन क्रैश में अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। पीएम मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले वे घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले। एअर इंडिया की बोइंग 787 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई-171 ने गुरुवार दोपहर 1:38 बजे अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। दो मिनट बाद ही फ्लाइट क्रैश हो गई। इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। मृतकों में गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी शामिल हैं, जबकि सिर्फएक यात्री की जान बची है।

## एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हादसे की ली जानकारी

पीएम मोदी शुक्रवार सुबह अहमदाबाद पहुंचे। सबसे पहले वे घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे। एअर इंडिया विमान हादसे की जगह पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों और अधिकारियों से गुरुवार को हुए दर्दनाक हादसे की जानकारी ली। पीएम मोदी के साथ नागरिक उड्डयन मंत्री रामनोहन नायडू, गुजरात के गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री हर्ष संघवी और केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री उस जगह भी गए जिस हॉस्टल पर विमान गिरा था। इस भीषण हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी समेत कुल 266 लोगों की मौत हुई है। इनमें 241 लोग विमान में सफर कर रहे थे। अहमदाबाद में क्रैश हुए विमान के मलबे के पास पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद बारीकी और विस्तार से दुर्घटना के बाद के हालात और रेस्क्यू ऑपरेशंस की जानकारी ली। इसके बाद वे सिविल अस्पताल गए, जहां वे करीब 10 मिनट पीड़ितों से मिले।

### पीएम मोदी बोले- तबाही का मंजर बेहद दुखद है

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा- 'आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही का मंजर बेहद दुखद है। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों और अधिकारियों से मुलाकात की, जो लगातार मेहनत कर रहे हैं। इस त्रासदी में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं।' उन्होंने कहा- इस विमान दुर्घटना से हम सभी बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इतने लोगों की अचानक और दिल तोड़ देने वाली मौत को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति हम गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। हम उनके दर्द को समझते हैं और जानते हैं कि इस हादसे से जो खालीपन बना है, उसे भरने में सालों लग जाएंगे।

### गृहमंत्री अमित शाह ने किया दौरा

मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में हादसे वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने कहा-विमान के अंदर सवा लाख लीटर ईंधन था। आग की वजह से किसी को बचाने का मौका ही नहीं मिला। सभी यात्रियों के परिजनों का ष्ठह्न सैंपल लिया जा रहा है। हजार के करीब डीएनए टेस्ट करने पड़ेंगे। कम से कम समय में डीएनए परीक्षण करने के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंपा जाएगा।

## विमान हादसे व गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी के निधन पर सीएम विष्णुदेव साय ने जताया शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हादसे में विजय रुपाणी जी का भी निधन हो गया। अत्यंत ही पीड़ादायक है यह।

अहमदाबाद विमान हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दुख जताया। एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना बताया है। उन्होंने इस भीषण दुर्घटना में मृत यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करने की कामना की है। रूपाणीजी का निधन न केवल गुजरात बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। सरल, सहज और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के धनी रूपाणीजी का जनसेवा के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। राज्य और भाजपा संगठन दोनों में उन्होंने निष्ठा और कुशलता के साथ योगदान देकर उन्होंने माँ भारती की सेवा की। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

## एयर इंडिया ने बनाए हेल्प सेंटर

एयर इंडिया ने फ्लाइट एआई171 पर सवार यात्रियों के परिवारों और प्रियजनों की सहायता करने और उनकी जरूरतों का ख्याल रखने के लिए अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और गैटविक एयरपोर्ट पर सहायता केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र अहमदाबाद में परिवार के सदस्यों की यात्रा को सुविधाजनक बना रहे हैं। भारत के भीतर से कॉल करने वालों के लिए टोल फ्री नंबर: 1800 5691 444 और भारत के बाहर से कॉल करने वालों के लिए +91 8062779200 जारी किया गया है। एयर इंडिया के एक्स हैंडल और वेबसाइट पर नियमित अपडेट जारी रहेंगे।

### मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए देगा टाटा ग्रुप

अहमदाबाद में एअर इंडिया फ्लाइट 171 की भयावह दुर्घटना के बाद टाटा ग्रुप ने एक संवेदनशील और मानवीय पहल करते हुए पीड़ितों के परिवारों की मदद के लिए बड़ी घोषणा की है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टाटा ग्रुप इस त्रासदी में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिवार को ?1 करोड़ की सहायता राशि देगा। बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि टाटा ग्रुप सभी घायलों का संपूर्ण चिकित्सीय खर्च वहन करेगा और उन्हें हर आवश्यक देखभाल व समर्थन प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा, हादसे में क्षतिग्रस्त बी. जे. मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स हॉस्टल के पुनर्निर्माण में भी टाटा ग्रुप सहायता करेगा।

### एअर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

**बैंकॉक।** फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। एअर इंडिया की यह फ्लाइट ने फुक्रेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे टेकऑफकिया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा घेरा बनाते हुए पलटा और इसके बाद फुक्रेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान एक्टिवेट कर दिया।

## 265 लाशें और भविष्यवाणी एक भी नहीं

श्रीकंचनपथ

एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन गुरुवार दोपहर टेक ऑफके दो मिनट बाद क्रैश हो गया। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और 12 क्रू मेंबर्स समेत 241 लोगों की मौत हो गई। 265 शवों में 241 विमान सवारों के अलावा 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी भी शामिल हैं। बाकी शवों की पहचान की जा रही है। अलग-अलग क्षेत्रों और देशों के इन 265 शवों में से क्या किसी ने भी किसी ज्योतिषी या फिर किसी भविष्यवक्ता से सम्पर्क नहीं किया था। क्या इनमें से किसी को भी नहीं पता था कि दुनिया में न्यूमेरोलॉजी नाम की भी कोई चीज है? क्या इनमें से किसी ने भी सुबह के कैलेण्डर या पंचांग में दिशा शूल की जानकारी नहीं ली थी? आखिर इतने सारे लोगों की किस्मत एकदम एक जैसी कैसे हो सकती है? क्या इन सबकी राशियां एक थीं? क्या इन सबकी जन्मतिथि भी एक थी? इन सवालों के पीछे छिपा है वह भयानक सच जिससे हर कोई आंख चुराना चाहता है। दरअसल, हम सभी एक यूटोपिया में जी रहे हैं। दुनिया के सबसे आरामदायक समझे जाने वाले इस विमान के बारे में अब ऐसी बहुत सारी जानकारियां निकलकर आ रही हैं जो इस विमान के निर्माता बोइंग के साथ-साथ उन तमाम लोगों को कटघरे में खड़ा करती हैं जिन्होंने इन विमानों को उड़ने और उड़ाने की इजाजत दी। बड़ी-बड़ी कंपनियां किस तरह लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने में सफल हो जाती हैं, यह हादसा उसकी तरफ उंगली भी उठाता है। यह हमारी उस कमजोरी को भी उजागर करता है जो हमें ब्रांड फ्रीक (ब्रांड का दीवाना) बनाती है। बड़ी कंपनी, बड़ा नाम और बड़े लोगों के साथ उठने-बैठने का यह शौक शायद हममें से सभी को है। उनके सौ गुनाह इस एक सच्चाई के आगे बौने साबित हो जाते हैं कि वो बड़े लोग हैं और उनके पास सालों का तजुर्बा है। जांच भी बैठेगी और जांच दल के पादरी, मौलवी और पंडित जो कहेंगे, सब नतमस्तक होकर उसे मान भी लेंगे। आखिर वो सब सर्टिफाइड लोग हैं। इससे पहले 2024 में बोइंग का विमान दक्षिण कोरिया में क्रैश हुआ था जिसमें 180 लोगों की मौत हो गई थी। उससे भी पहले 2018 और 2019 में हुए हादसों में क्रमश: 189 और 157 लोगों की जान चली गई थी। बोइंग अपने विमानों के निर्माण में शॉर्टकट अपनाता है, यह आरोप खुद उसके इंजीनियर ने लगाया था। जनवरी 2024 में भी अलास्का एयरलाइंस के बोइंग विमान में उड़ान के दौरान छेद हो गया था। इस मामले में बोइंग ने अमेरिकी सरकार के साथ आउट ऑफकोर्ट सेटलमेंट कर लिया। वर्तमान हादसे के बाद बोइंग ने पेरिस एयर शो में अपनी भागीदारी रद्द कर दी है हालांकि ड्रीमलाइनर की उड़ानों पर फिलहाल रोक नहीं लगाई जा रही है। फिलहाल वक्त है कैंडल मार्च का, सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि देने का।

## संपादकीय

# बिजली बचाने का उपक्रम

सरकार एयरकंड़ीशनर के तापमान को मानकीकृत करने के विषय में उपकरण विनिर्माताओं व राज्यों से बात कर रही है। देश में ऊर्जा दक्षता में सुधार लाने के लिहाज से एसी के डिफॉल्ट तापमान को 20 से 28 ड़िग्री के दरम्यान मानकीकृत करने के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो यानी बीईई रूप रेखा तैयार कर रहा है। इस ब्यूरो का काम ऊर्जा कुशल प्रक्रियाओं, उपकरण व प्रणालियों के इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। न्यूनतम 20 तथा अधिकतम 28 ड़िग्री को स्टैंडर्ड बनाया जा सकता है। सरकार वाहन विनिर्माताओं के साथ भी इस संबंध में बात कर रही है। तापमान में एक ड़िग्री की कमी से छह फीसद ऊर्जा की बचत संभव होती है। यह घोषणा ऐसे समय की गई है, जब देश में भीषण गरमी के कारण बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। नौ जून को यह 241 गीगा वॉट तक पहुंच चुकी थी। यह नियम दफ्तरों के अलावा आवासों पर भी लागू हो सकता है। इसके लागू होते ही एसी निर्माता कंपनियों को ही अपने उत्पाद के हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर बदलाव के जरिए इसे सीमित किया जाएगा। फिलवक्त यह न्यूनतम 16/18 व अधिकतम 30 डिग्री होता है। बिजली अधिकारियों के अनुसार देश में अधिकतम ऊर्जा खर्च में करीब पचास गीगावॉट बिजली की खपत एसी चलने में होती है। जो अधिकतम गरमी के वक्त कुल ऊर्जा खर्च का पांचवां हिस्सा हो जाती है। देश में बिजली निर्माण में कोयले का प्रयोग सबसे ज्यादा होता है। इस पर काबू करने से प्रदूषण घटाने में भी मदद हो सकती है। महानगरों में बढ़ते औद्योगिकीकरण, शानदार-उन्नत रिहाइशों और बाजारों के वातानुकूलन में बिजली की जबरदस्त खपत होती है। जिस पर काबू करने के प्रति सरकार को प्रतिबद्ध होना चाहिए। जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सबसे ज्यादा चुकाना पड़ता है। बिजली की किल्लत या आपूर्ति से अधिक मांग होने पर बिजली कटौती इसी वर्ग से की जाती है। अकेले बीते वर्ष ही देश में 1.4 करोड़ यूनिट की बिक्री हुई थी। बढ़ती गरमी की चुनौतियों से जूझने के लिए सरकार को और भी कदम उठाने होंगे। ऊर्जा-कुशल बुनियादी ढांचे व बेहतरीन वेंटीलेशन वाली इमारतों के निर्माण की व्यवस्था के प्रयास करने चाहिए। एसी के अतिरिक्त एलईड़ी लाइटों, पंखों व अन्य घरेलू उपकरणों का भी मानकीकरण करने की कोशिशें जरूरी हैं।

> जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान का सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर तबके को सबसे ज्यादा चुकाना पड़ता है। बिजली की किल्लत या आपूर्ति से अधिक मांग होने पर बिजली कटौती इसी वर्ग से की जाती है। अकेले बीते वर्ष ही देश में 1.4 करोड़ यूनिट की बिक्री हुई थी। बढ़ती गरमी की चुनौतियों से जूझने के लिए सरकार को और भी कदम उठाने होंगे।

# सही वक्त पर रेल मंत्रालय

सुविधा कहें या असुविधा इसका सही असर जानने में कुछ वक्त लगेगा। रेल मंत्रालय तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार की अनिवार्यता को बढ़ाने जा रहा है। यह योजना एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएगी। 'तत्काल' योजना के तहत अब वे ही उपयोगकर्ता टिकट बुक कर सकेंगे जिन्होंने आधार के जरिये सत्यापन कराया हो। रेलवे का कहना है कि यह फैसला इसलिए लिया जा रहा है कि 'तत्काल' योजना का लाभ आम उपयोगकर्ताओं को मिलना तय हो जाए। एक जुलाई 2025 से 'तत्काल' योजना के तहत भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट या इसके ऐप के माध्यम से केवल वह उपयोगकर्ता ही टिकट बुक कर सकेंगे,

जिन्होंने आधार के जरिये सत्यापन कराया हो। इसके बाद 15 जुलाई 2025 से 'तत्काल' बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। रेलवे द्वारा इस संबंध में जारी परिपत्र में कहा गया हैग कि 'तत्काल' टिकट भारतीय रेलवे के यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों/अधिकृत एजेंटों के माध्यम से बुकिंग के लिए तभी उपलब्ध होंगे, जब सिस्टम द्वारा उत्पन्न ओटीपी का सत्यापन होगा, ओटीपी बुकिंग के समय उपयोगकर्ताओं द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र और आईआरसीटीसी को प्रणाली में जरूरी सुधार करने और इन परिवर्तनों के बारे में सभी जोनल रेलवे को सूचित करने को कह दिया गया है। इन परिवर्तनों से लगता है कि वास्तविक जरूरतमंदों को टिकट मिलने में सुविधा होगी। आधार कार्ड आज लगभग हर किसी के पास है। तत्काल टिकट बुकिंग के नाम पर एजेंटों की धांधली पर रोग लग जाएगी। रेलवे लगातार यात्री सुविधा बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी के तहत एक परीक्षण में प्रतीक्षा सूची में शामिल यात्रियों के टिकटों की स्थिति के बारे में ट्रेन के प्रस्थान से 24 घंटे पहले सूचना दी गई, जबकि आमतौर पर यात्रियों को केवल चार घंटे पहले सूचित किया जाता है। प्रयोग के तौर पर बीकानेर डिवीजन में ट्रेन के रवाना होने से 24 घंटे पहले ही चार्ट तैयार किए गए। 'वेटिंग टिकट' के कारण यात्रा के बारे में अनिश्चित रहने वालों को इससे बड़ी सुविधा होगी॥।

# विकसित भारत और हम

**मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल भारत को वैश्विक शक्ति, आत्मनिर्भर राष्ट्र और सामाजिक रूप से समरस भारत के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक सिद्ध हो रहा है। अब भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि विश्व के लिए भी आशा की किरण बन गया है। यह कार्यकाल केवल सत्ता का नहीं, बल्कि सेवाग संकल्प और सशक्तिकरण का कालखंड बन चुका है।**

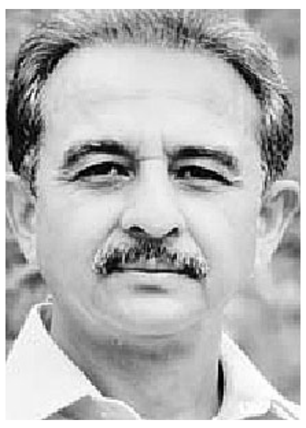

कीर्तिवर्धन सिंह

9 जून 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण हुआ। यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस परिवर्तनकारी यात्रा का प्रतीक है, जिसने भारत को सामाजिक समावेशन, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रभाव और आतथक विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। बीते 11 वर्ष में और विशेष रूप से तीसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में मोदी सरकार ने जिन अभूतपूर्व कार्यों को अंजाम दिया है, वे 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की सशक्त नींव बन चुके हैं।

2025 का वर्ष भारत के लिए पर्यावरणीय नेतृत्व का प्रतीक बन गया। विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर ग्लेशियर संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत की निर्णायक भूमिका ने यह दिखा दिया कि अब भारत केवल जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देश नहीं, बल्कि समाधान का नेतृत्वकर्ता है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'एक पेड़ मां के नाम,' 'मिशन लाइफ,' 'हरित भारत मिशन,' और 'ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम' जैसे अभियानों को और विस्तार देते हुए जनभागीदारी से जोड़ने में सफलता पाई।

जल जीवन मिशन के तहत 2025 तक 15 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल मिल चुका है, जिससे महिलाओं की गरिमा और स्वास्थ्य दोनों को संरक्षित किया गया है। अमृत काल का यह दशक भारत के लिए हरित विकास का दशक बनता जा रहा है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक मुद्दों पर निर्णायक स्वर बनने की दिशा में अग्रसर है। जी-20 की अध्यक्षता से लेकर विश्व बैंक, ब्रिक्स और संयुक्त राष्ट्र में भारत की सक्रिय भागीदारी ने दुनिया को एक संतुलित, न्यायप्रिय और लोकतांत्रिक नेतृत्व दिया है। 'वसुधैव कुटुंबकम के भारतीय दर्शन को अपनाकर प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद किया। कोविड के समय 'वैक्सीन मैत्री' और अब जलवायु परिवर्तन व टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भारत की पहल को विश्व भर में सराहा गया है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

हाल ही में आतंकवाद के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' सिर्फ एक सैन्य ऑपरेशन नहीं था, यह भारत की नई रक्षा रणनीति का जीवंत उदाहरण था। यह ऑपरेशन सीमापार आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और देश की अखंडता के प्रति अटल संकल्प का प्रतीक बना। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह स्पष्ट किया कि अब भारत केवल प्रतिकात्मक विरोध नहीं करता, बल्कि जवाबी कार्रवाई में भी अग्रणी है। इस अभियान में स्थानीय नागरिकों और सुरक्षा बलों की एकजुटता ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती दी। मोदी सरकार के आतथक सुधारोंग आत्मनिर्भर भारत अभियानग प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं और डिजिटल इंडिया के कारण भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों ने भारत की विकास दर को दुनिया में सबसे तेज बताया है। डिजिटल पेमेंट से लेकर स्टार्टअप इंडिया तक भारत ने न केवल टेक्नोलॉजी में, बल्कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी ऐतिहासिक छलांग लगाई है। मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, और पीएम स्वरोजगार योजना के जरिए करोड़ों युवाओं को स्वावलंबन का अवसर मिला है।

मोदी सरकार का मंत्र 'सबका साथग सबका विकासग सबका विश्वास और सबका प्रयास' अब केवल नारा नहीं, जमीनी सच्चाई बन चुका है। तीसरे कार्यकाल में सामाजिक समरसता और समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया। ओबीसी, एससी, एसटी और गरीब वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं ने उन्हें न केवल लाभार्थी बनाया, बल्कि सहभागी भी बनाया है। दलितों और आदिवासियों के लिए एकलव्य मॉडल स्कूलों का विस्तार, पीएम जनजातीय सशक्तिकरण अभियान, और वन धन योजना जैसे प्रयासों ने उन्हें सशक्त करने का कार्य किया है। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देना और ईडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। मोदी सरकार ने टेक्नोलॉजी को सुशासन का आधार बनाया। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत अब ग्राम पंचायतें भी ई-गवर्नेंस से जुड़ गई हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर ने योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचाया, जिससे भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई। आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ से अधिक लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ मिला। यह दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना है, जिससे गरीबों को स्वास्थ्य सुविधा का अधिकार मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अब तक 3 करोड़ से अधिक परिवारों को पक्के घर मिले हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने ग्रामीण भारत को खुले में शौच से मुक्त कर स्वच्छता का संस्कार दिया। प्राकृतिक खेती और किसान ड्रोन योजना जैसे नवाचारों ने कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास है कि 'भारत का विकास गांवों के विकास से ही संभव है,' और इस सिद्धांत पर चलते हुए सरकार ने ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया है। आज जब हम 2047 के विकसित भारत की बात करते हैं, तो यह केवल एक लक्ष्य नहीं, एक विचारधारा का उत्सव है।

यह वह भारत है जिसकी कल्पना पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'अंत्योदय' के माध्यम से की थी, अटल बिहारी वाजपेयी ने 'प्रगतिशील राष्ट्र' के रूप में और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक भारत' के रूप में की थी। मोदी सरकार ने विचार और कार्य के समन्वय से इन सपनों को साकार करने की दिशा में ठोस पहल की है। मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल भारत को वैश्विक शक्तिग आत्मनिर्भर राष्ट्र और सामाजिक रूप से समरस भारत के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक सिद्ध हो रहा है। अब भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि विश्व के लिए भी आशा की किरण बन गया है। यह कार्यकाल केवल सत्ता का नहीं, बल्कि सेवाग संकल्प और सशक्तिकरण का कालखंड बन चुका है।

**(लेखक केंद्रीय विदेश तथा पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री हैं)**

# भीड़ प्रबंधन के लिए हमें एक राष्ट्रीय नजरिया चाहिए

> भारत अपने जलसों-जनसमूहों से फलता-फूलता रहा है। चाहे क्रिकेट की जीत के जश्न हों, राजनीतिक रैलियां हों, धार्मिक उत्सव हों या फिर सेलीब्रिटी के कार्यक्रम, हजारों, बल्कि कई बार तो लाखों का हुजूम सड़कों पर, मैदानों में उमड़ आता है...

ओ पी सिंह, पुलिस महानिदेशक, हरियाणा

भारत अपने जलसों-जनसमूहों से फलता-फूलता रहा है। चाहे क्रिकेट की जीत के जश्न हों, राजनीतिक रैलियां हों, धार्मिक उत्सव हों या फिर सेलीब्रिटी के कार्यक्रम, हजारों, बल्कि कई बार तो लाखों का हुजूम सड़कों पर, मैदानों में उमड़ आता है। यह भीड़ हमारे देश की जीवंतता तो प्रदर्शित करती है, मगर वह सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौती भी पेश कर देती है।

हाल के दिनों में हुई त्रासदियों ने भीड़ के कुप्रबंधन को उजागर किया है। इस समस्या का समाधान केवल सख्त पुलिस निगरानी या हादसे के बाद की जांच से नहीं किया जा सकता है। इसका हल व्यवस्थित योजना में है और इस मामले में हमारे देश का प्रशासन अक्सर कमजोर साबित होता है। भारत में भीड़ बढ़ती जा रही है। पहले वार्षिक तीर्थयात्राओं या चुनावी रैलियों की भीड़ का आकलन करना आसान था, मगर अब तो सोशल मीडिया से प्रेरित होकर मिनटों में अचानक भारी भीड़ जमा हो जाती है। अचानक जमा होने वाली यह प्रवृत्ति ज्यादातर कस्बाई इलाकों में देखी जाती है, जहां भीड़ को संभालने की कोई मशीनरी नहीं होती। इनको संभालने के लिए बैरिकेड लगाने, लाठीचार्ज आदि की पारंपरिक व्यवस्थाएं लगातार बेमानी होती जा रही हैं। हमारी पुलिस कुशल और साहसी है, मगर इस तरह की समस्या से निपटने के लिए जरूरी साजो-सामान से लैस नहीं है।

भारत को भीड़ प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय ढांचे की तत्काल आवश्यकता है, जो भीड़ के आकार, आयोजन के प्रकार और स्थानीय बुनियादी ढांचे के अनुरूप लचीली व बहुस्तरीय प्रणाली हो। भीड़ की सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल जिला पुलिस पर छोड़ना उचित नहीं है। इसे शहरी नियोजन और आपदा प्रबंधन की रणनीतियों में शामिल किया जाना चाहिए। स्थानीय स्तर पर संयुक्त संचालन केंद्र (जेओसी) गठित होने से भी समन्वय के तरीके बदल सकते हैं। पुलिस, अग्निशमन सेवाएं, स्वास्थ्य टीमें, परिवहन विभाग और नगर पालिकाएं सामूहिक रूप से एक स्पष्ट कमांड के तहत काम करती हुई दिखें। जेओसी फैसलों और संसाधनों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर फौरन सक्रियता से कदम उठाए जा सकें।

कई शहरों में पहले से ही सीसीटीवी नेटवर्क और ड्रोन निगरानी प्रणाली मौजूद हैं। इन्हें एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) संचालित भीड़ प्रबंधन व जन-सघनता की जांच करने वाले ट्रैकिंग सॉफ्टवेयर से जोड़कर उचित समय पर अलर्ट किया जा सकता है। लेकिन समस्या यह है कि देश की अधिकांश पुलिस इकाइयों के पास ऐसे एकीकृत उपकरण नहीं हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय पुलिस बलों के आधुनिकीकरण योजना के तहत इस समस्या का समाधान कर सकता है। इसके लिए राज्यों को संसाधन मुहैया करा सकता है। इस काम में भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों और शोध संस्थानों को भी लगाया जा सकता है। हमारे बहुत से शहरों में स्पष्ट चेतावनी संकेतकों, अनेक निकास द्वारों या सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रणाली का अभाव है। इसलिए स्मार्ट सिटी जैसे शहरी विकास कार्यक्रमों को अपनी नियमित विकास योजनाओं में भीड़ को ध्यान में रखते हुए डिजाइन को प्राथमिकता देनी चाहिए। कुंभ या स्थानीय मेलों जैसे बार-बार होने वाले आयोजनों के बारे में भी सोचने की जरूरत है। इसे अस्थायी तौर पर बनाए गए ढांचे से प्रबंधित किया जा सकता है। इसके लिए बहुत ज्यादा धन की जरूरत नहीं होगी, बस सटीक योजना बनाने की आवश्यकता है।

भारत जैसे विशाल देश में भीड़ को पूरी तरह नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती है, पर इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत में इस चुनौती का सामना करने के लिए प्रतिभाओं, उपकरणों और संस्थानों की कमी नहीं है, बस नीति और क्रियान्वयन, केंद्र, राज्य और स्थानीय एजेंसियों में तालमेल की जरूरत है। भारत जैसे देश में, जहां लोग इकट्ठा होते ही रहेंगे, सार्वजनिक सुरक्षा अपनी प्रणालियों को व्यवस्थित करने में निहित है। समय आ गया है कि हम बेहतर योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत के ये जीवंत धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आयोजन जोखिम का नहीं, बल्कि गर्व का स्रोत बनें।

**(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

# सात समंदर पार चमत्कार

जब दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है और नेतृत्व की परिभाषाएं पश्चिम के परंपरागत चेहरे तक सीमित नहीं रहीं, तब भारतीय मूल के लोग न केवल तकनीकी कंपनियों में नेतृत्व कर रहे हैंग बल्कि सरकारों, विश्वविद्यालयों, स्वास्थ्य संस्थानों और सामाजिक आंदोलनों में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। यह केवल संख्या का खेल नहीं है, यह उस विचार का विस्तार है जो सहिष्णुता, बहुलता और जिज्ञासा को अपनी शक्ति मानता है। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के पांच से अधिक सांसद, कनाडा की केंद्रीय कैबिनेट में दो-दो महत्वपूर्ण मंत्री, ब्रिटेन में प्रभावशाली वैज्ञानिक और शिक्षाविद, ऑस्ट्रेलिया में राजनीतिक रणनीतिकार यह सब अचानक नहीं हुआ है। वर्षों की मेहनत, संस्कार, संघर्ष और नई जगहों में खुद को ढाल लेने की भारतीयों की क्षमता का परिणाम है।

आज जब सुंदर पिचाई गूगल जैसी टेक-जायंट कंपनी को दिशा देते हैं, या सत्या नडेला माइक्रोसॉफ्ट की कमान संभालते हैं, तब वे केवल एक कंपनी के उत्पाद नहीं गढ़ रहे होते, बल्कि विश्व की तकनीकी दिशा को नियंत्रित कर रहे होते हैं। इन चेहरों में ज्यादातर के पास भले ही अमेरिका की नागरिकता हो, लेकिन इनकी सोच और श्ष्टि में भारतीयता की वह गहराई स्पष्ट झलकती है जो जटिलता को सरलता में बदलने की कला जानती है। अमेरिकी स्वास्थ्य सलाहकार विवेक मूतत जब मानसिक स्वास्थ्य पर वैश्विक विमर्श को नेतृत्व दे रहे होते हैं, तब केवल एक डॉक्टर नहीं होते, उस संवेदना के प्रतीक होते हैं, जिसे भारतीय संस्कृति 'मन, शरीर और आत्मा' के समन्वय में देखती है। एक आंकड़े के अनुसार 36 फीसद भारतीय नासा में वैज्ञानिक हैं, वहीं 38 फीसद भारतीय अमेरिका में डॉक्टर हैं। भारतीय मूल के डदय रोग विशेषज्ञ किरण मुसुनुरु डॉक्टरों की उस टीम का हिस्सा हैं, जिसने अनुकूलित जीन-एडिटिंग थेरेपी का उपयोग करके पहली बार एक बच्चे का इलाज किया है। भारतीय मूल के इन लोगों की वैश्विक सफलता भारत के लिए भी एक अवसर है बशर्ते वह इस अपार 'मानव-संपदा' से जुड़ने की नीति बनाए। केवल प्रवासी दिवस मना कर संतोष करना पर्याप्त नहीं होगा। भारत को चाहिए कि इन वैश्विक भारतीयों को ज्ञान, निवेश, तकनीक और विचारों के आदान-प्रदान में भागीदार बनाए। उनकी जड़ों से संबंध को जीवित रख कर भारत वैश्विक मंच पर अपनी 'सॉफ्ट पावर' को और भी प्रभावशाली बना सकता है।

# मतलब परस्त है अमेरिका

अमेरिका न तो किसी का मित्र हैग और न ही किसी का शत्रु। उसके अपने आतथक और सामरिक हित जिस देश से सधते हैंग वही व्यक्ति या देश उसका मित्र है। पहलगाम की आतंकवादी घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने घटना की निंदा करते हुए कहा था कि अमेरिका आंतकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है। लेकिन इसके बाद उनके सुर बदलते रहे। यह तो तब है जब 9/11 के मास्टरमाइंड ओसामा को पाकिस्तानी सरकार और सेना वर्षों तक अपने यहां सुरक्षित रखे हुए थे और अमेरिका ने ही उसे वहां ढूंढ कर मौत के घाट उतारा था। अब 14 जून को अमेरिका अपना सैन्य दिवस मना रहा है, जिसमें पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को अतिथि के रूप में निमंत्रित किया है। अमेरिकी कमांड ने पाकिस्तान को आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अपना प्रमुख साझीदार भी बताया है। यह तो तब है जब विश्व के अधिकांश देश पाकिस्तान को न केवल आतंकवाद का पोषक मानते हैं, बल्कि वे आतंकवाद से स्वयं पीड़ित भी हैं। वर्तमान में भी संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित कई आतंकवादी सरगना पाकिस्तान में खुलेआम सरकार और सेना के संरक्षण में मौज काट रहे हैं। कुल मिलाकर अमेरिका ऐसा देश है जिस पर भरोसा करना आत्मघात जैसा होगा। भारत सरकार को अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक-सामरिक हितों को ध्यान में रख कर ही सतर्कता बरतनी होगी।

**- डॉ. नरेन्द्र टोंक, मेरठ**

# वायरल होने को कुछ भी करेंगे

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने लोगों को अपनी बात दुनिया तक पहुंचाने का एक शक्तिशाली मंच प्रदान किया है। यह मंच जहां एक ओर रचनात्मकताग ज्ञान और सकारात्मक संदेशों को फैलाने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इस मंच का दुरु पयोग भी कर रहे हैं। एक चिंताजनक प्रवृत्ति जो हाल के वर्षों में उभरी है, वह है सार्वजनिक स्थानों पर अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की कोशिश। यह न केवल सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाता है, बल्कि समाज में नैतिकता और संस्कृति के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है।

सोशल मीडिया पर वायरल होने की होड़ ने कई लोगों को गलत रास्ते पर धकेल दिया है। कुछ लोग त्वरित प्रसिद्धि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहारग अभद्र भाषाग अनुचित कपड़े या आपत्तिजनक हरकतें करते हैं और इसे रिकॉर्ड करके ऑनलाइन डाल देते हैं। उदाहरण के तौर पर कुछ युवा सार्वजनिक स्थानों जैसे मेट्रो, बस, पार्क या बाजारों में अश्लील नृत्य, अशोभनीय टिप्पणियां या विवादास्पद कृत्य करते हैं, ताकि लोग उनकी वीडियो देखें, शेयर करें और वे रातोंरात प्रसिद्ध हो जाएं। इस तरह की सामग्री को अक्सर 'क्लिकबेट' के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, क्योंकि यह लोगों का ध्यान तुरंत खींचती है, लेकिन यह प्रवृत्ति समाज के लिए हानिकारक है। यह सवाल उठता है कि क्या प्रसिद्धि के लिए नैतिकता और सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रखना उचित है? आज के समय मेंग सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स और व्यूज को सफलता का पैमाना माना जाता है। लोग मानते हैं कि वायरल होने से उन्हें प्रसिद्धि, पैसा और अवसर मिलेंगे। इस लालच में वे अश्लीलता का सहारा भी ले लेते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम विवादास्पद और सनसनीखेज सामग्री को अधिक प्रचारित करते हैं। अश्लील वीडियो या पोस्ट को ज्यादा लाइक्स, शेयर और कमेंट्स मिलते हैं, जिससे वे ट्रेंडिंग लिस्ट में आ जाते हैं। यह क्रिएटर्स को ऐसी सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। आधुनिक समाज में कुछ हद तक नैतिकता और सामाजिक मूल्यों में कमी आई है। लोग व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर अनुचित व्यवहार को सही ठहराने लगे हैं। सोशल मीडिया पर लाखों कंटेंट क्रिएटर्स हैं और उनमें से अलग दिखने के लिए कुछ लोग गलत रास्ते चुन लेते हैं। अश्लीलता एक आसान और तेज तरीका लगता है। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने की प्रवृत्ति समाज पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। जब लोग सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील व्यवहार करते हैं, तो यह समाज की नैतिकता और मर्यादाओं को कमजोर करता है। अश्लील व्यवहार सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद अन्य लोगों के लिए असुविधा और असहजता का कारण बनता है। इससे सामाजिक तनाव और विवाद पैदा हो सकते हैं। भारत में सार्वजनिक अश्लीलता को रोकने के लिए कई कानून मौजूद हैं। भारतीय न्याय संहिता के तहतग सार्वजनिक स्थान पर अश्लील कृत्य या शब्दों का उपयोग दंडनीय अपराध है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत भी ऑनलाइन अश्लील सामग्री को फैलाना भी गैरकानूनी है। फिर भी, इन कानूनों का सख्ती से पालन नहीं हो पाता, क्योंकि सोशल मीडिया पर सामग्री की मात्रा इतनी अधिक है कि हर पोस्ट की निगरानी करना मुश्किल है। इस समस्या से निपटने के लिए समाज, सरकार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को मिलकर काम करना होगा। सार्वजनिक अश्लीलता और ऑनलाइन अश्लील सामग्री के खिलाफ कानूनों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। सोशल मीडिया कंपनियों को अपने एल्गोरिदम में बदलाव करना चाहिए, ताकि अश्लील और विवादास्पद सामग्री को बढ़ावा न मिले। ऐसी सामग्री को तुरंत हटाने और क्रिएटर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने की नीति लागू करनी चाहिए। समाज में नैतिकता और सामाजिक मर्यादाओं के महद्यव को समझाने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में युवाओं को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में शिक्षित करना जरूरी है। वहीं माता-पिता को अपने बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर नजर रखनी चाहिए।

सोशल मीडिया पर सकारात्मकग रचनात्मक और प्रेरणादायक सामग्री को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार और गैर-सरकारी संगठन ऐसी पहल शुरू कर सकते हैंग जो युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करें। सार्वजनिक अश्लीलता के जरिए वायरल होने और प्रसिद्धि हासिल करने की प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक समस्या है। समय की मांग है कि हम इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास करें। कानूनी कार्रवाई, जागरूकता और सकारात्मक सामग्री को बढ़ावा देकर हम एक स्वस्थ और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। प्रसिद्धि का असली मोल तब है, जब वह मेहनत, रचनात्मकता और नैतिकता के आधार पर हासिल की जाए, न कि सस्ते और अनुचित तरीकों से।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

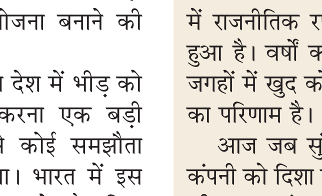

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

विशाल ज्वेलर्स
BIS-916 100% Hallmarked
आभूषण लेना तो हॉलमार्क लेना

नया सराफा, जवाहर चौक, दुर्ग
मो.-9827906406

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

## खास खबर

### नगपुरा दिव्यांगजन शिविर में 49 का पंजीयन

**दुर्ग।** जिले में निवासरत ऐसे दिव्यांगजन जिन्होंने अभी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बनवाया हो तथा ऐसे दिव्यांजन जिसका प्रमाण पत्र बना हुआ है किन्तु उक्त प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त हो चुकी है, के लिये उनकी सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग दुर्ग एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग के समन्वय से 12 जून 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नगपुरा विकासखण्ड दुर्ग में दिव्यांगजन प्रमाणीकरण/चिन्हांकन/मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आयोजित शिविर में आस-पास के ग्रामीण क्षेत्र से कुल 49 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया। पंजीकृत दिव्यांगजनों का जिला चिकित्सालय दुर्ग के चिकित्सक अस्थिबाधित विशेषज्ञ डॉ. आर.के. नायक, नेत्र बाधित विशेषज्ञ डॉ. बी.एन. वाहने तथा श्रवण बाधित विशेषज्ञ डॉ. रेणु तिवारी द्वारा परीक्षण कराया गया। जिसमें से 18 दिव्यांगजन पात्र पाये गये 28 लोगों को मशीन से परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय दुर्ग रेफर किया गया है तथा 03 दिव्यांगजन अपात्र पाये गये।

### डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित

**दुर्ग।** छ.ग. शासन कृषि विभाग द्वारा वर्ष 2025 हेतु डॉ. खूबचंद बघेल, कृषक रत्न पुरस्कार के लिए कृषकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन पत्र विकासखण्ड स्तर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय एवं जिला स्तर पर उप संचालक कृषि कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र संबंधित जिले के उप संचालक कृषि कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन संबंधी विस्तृज जानकारी कृषि विभाग के वेबसाईट www.agriportal.cg.nic.in पर उपलब्ध है।

# नंदनवन जंगल सफारी व बिलासपुर से मैत्रीबाग पहुंचेगा तेंदुआ और भालू का जोड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वन्यजीव संरक्षण और जन-जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के अंतर्गत उद्यानिकी अनुभाग द्वारा संचालित मैत्री बाग चिड़ियाघर अब तेंदुए और भालू के जोड़े का स्वागत करने जा रहा है। इनके लिए विशेष रूप से निर्मित बाड़ों की तैयारी पूर्ण हो चुकी है, जो भारतीय केंद्रीय जू प्राधिकरण (सीज़ेडए) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं। यह नया समावेश न केवल जैव विविधता को बढ़ावा देगा, बल्कि मैत्री बाग को शैक्षणिक और मनोरंजक दृष्टि से और अधिक समृद्ध बनाएगा।

तेंदुए और भालू का यह जोड़ा नंदनवन जंगल सफारी नया रायपुर व बिलासपुर चिड़ियाघर से विनिमय के अंतर्गत प्राप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व मैत्री बाग द्वारा सफेद बाघों का एक जोड़ा नंदनवन को सौंपा गया था। इस तरह के अंतराज्यीय चिड़ियाघर सहयोग न केवल आनुवंशिक विविधता को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि विभिन्न प्रजातियों का समान वितरण सुनिश्चित करते हैं। वर्तमान में मैत्री बाग में सात सफेद बाघ हैं, जिससे यह भारत के प्रमुख सफेद बाघ संरक्षण केंद्रों में से

एक है। विनिमय योजना के तहत, 24 सांभर हिरण भी नंदनवन भेजे जाएंगे, जिससे प्रजातीय आदान-प्रदान और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा मिलेगा।

मैत्री बाग के प्रभारी एवं महाप्रबंधक (उद्यानिकी) डॉ. नवीन कुमार जैन ने जानकारी दी कि यह पशु-विनिमय प्रक्रिया केंद्रीय जू प्राधिकरण द्वारा विधिवत अनुमोदित की जा चुकी है। बाड़ों का निर्माण, वातावरण का अनुकूलन और पशुओं के स्वागत की समस्त पूर्व तैयारी पूर्ण कर ली गई है। नए जीवों के आगमन के उपरांत उनकी सतत निगरानी की जाएगी, जिससे उनकी अनुकूलता और स्वास्थ्य की स्थिति सुनिश्चित की जा सके।

### संरक्षण और सार्वजनिक शिक्षा की धरोहर

मैत्री बाग, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की जैव विविधता और पारिस्थितिकीय उत्तरदायित्व की प्रतिबद्धता का मूर्त उदाहरण है। पूर्व में भी यहाँ से मुकुंदपुर (रीवा), महाराजा बाग (नागपुर), राजकोट, इंदौर और बोकारो के चिड़ियाघरों के साथ सफेद बाघों का विनिमय किया जा चुका है, सभी सीज़ेडए की निगरानी में। डॉ. जैन ने कहा, आज अधिकांश वन्य प्रजातियां हमारे जंगलों से विलुप्त हो रही हैं। चिड़ियाघरों की भूमिका अब केवल प्रदर्शन की नहीं, संरक्षण की बन गई है। यदि हम लोगों को जागरूक करें, तो यही स्थल वन्यजीवों के लिए महत्वपूर्ण आश्रयस्थल बन सकते हैं।

वैज्ञानिक पद्धतियों पर आधारित पशु देखभाल, मजबूत संरक्षण कार्यक्रमों और सार्थक जनसंपर्क के माध्यम से, मैत्री बाग देश में उत्तरदायी और नैतिक चिड़ियाघर संचालन का एक आदर्श मॉडल बनकर उभर रहा है। आने वाले समय में तेंदुए और भालू का यह नया अध्याय इस परंपरा को और भी समृद्ध करेगा।

### पशु आहार, देखभाल और वातावरण

डॉ. जैन के अनुसार, मैत्री बाग में पशु कल्याण के उच्चतम मानकों को अपनाया गया है। प्रत्येक प्रजाति को उसकी पोषण आवश्यकताओं और पसंद के अनुसार संतुलित भोजन उपलब्ध कराया जाता है। सामान्यत: प्रात: एक बार भोजन दिया जाता है, जो उनके पाचन चक्र के अनुकूल है। मौसमी तनाव से निपटने के लिए गर्मी के दिनों बाड़ों में टायफा मैट, स्प्रिंकलर प्रणाली, ग्रीन नेट्स, कृत्रिम झरने और मड बाथ जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। गर्मी के मौसम में बंदरों और शाकाहारी जीवों के आहार में तरबूज, खीरा और खरबूजा जैसी ठंडी और रसीली चीज़ें जोड़ी जाती हैं। सर्दियों में संवेदनशील जीवों के लिए लकड़ी की अलाव की व्यवस्था की जाती है।

### मैत्री बाग में लगभग 340 वन्य जीव निवासरत

वर्तमान में मैत्री बाग में लगभग 340 वन्य जीव निवासरत हैं। इनके रखरखाव के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र के दो स्थायी चिड़ियाघर परिचारक (जू कीपर) कार्यरत हैं, जिन्हें 30 ठेका कर्मियों का सहयोग प्राप्त है। पूरे परिसर और बाड़ों की दिन में दो बार सफाई की जाती है, जिससे संक्रमण की संभावना न्यूनतम रहे। पशु-चिकित्सा देखरेख चिड़ियाघर प्रबंधन का अभिन्न अंग है। नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यकतानुसार विटामिन और कैल्शियम युक्त सप्लीमेंट्स, और रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने वाली योजनाएं लागू की जाती हैं।

# दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी एवं विशाखा बौद्ध महिला मंडल भिलाई द्वारा दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर सुगत बुद्ध विहार आंबेडकर नगर सुपेला भिलाई में आयोजित किया गया था, शिविर का शुभारंभ बौद्ध कल्याण समिति, बुद्ध भूमि कोसा नगर भिलाई के अध्यक्ष आयु.नरेन्द्र शेंडे व विशाखा बौद्ध महिला मंडल भिलाई कि अध्यक्ष विद्या ताई बौद्ध ने किया।

त्यौहार व संस्कार पर सभी भिक्षुसंघ ने क्रमश: कौन कौन से संस्कारों पर कौन-कौन से सुत्त पठन किये जाते हैं ये बताया। डॉ.पूज्य भदंत जीवक जी, पूज्य भदंत सारिपुत्त, पूज्य भदंत सम्पजनो जी, पूज्य भदंत उतमग्गो जी , पूज्य भदंत

सोमानंद महाथेरो, पूज्य भदंत चंद विमला महाथेरो ,पी.आर.उके जी ने धम्म प्रशिक्षण दिया। शिविर में आयुष्मति निशा उके का गब्भमंगल संस्कार किया गया दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर में बालोद, दुर्ग, भिलाई के 32 उपासक उपासिकाये शिविर में शामिल हुये। धम्म प्रचारकों व बौद्ध भिक्खुओ कि कमी होने से विभिन्न धम्म संस्कार विधिवत रूप से सम्पन्न नहीं हो पाते थे इसी उद्देश्य को लेकर धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 24 बच्चों,युवा व महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया व आगामी दो माह तक भंते डॉ.जीवक जी व भंते सारिपुत्त जी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेते रहेंगे ताकि पूर्ण रूप से बौद्धाचार्य के रूप में प्रशिक्षित हो जायें । दो दिवसीय धम्म संस्कार प्रशिक्षण शिविर के समापन पर प्रशिक्षार्थियों को भंते डॉ.जीवक जी, महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी के अध्यक्ष आशीष चौहान, विशाखा बौद्ध महिला मंडल भिलाई कि अध्यक्ष विद्या ताई बौद्ध ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम का संचालन इंदू उके ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन नमेश्वरी सोनपिपरे ने किया कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेन्द्र भगत,जालेंन्द्र उके,अमन चौहान, जयेन्द्र मेश्राम, शीला अम्बादे,नलिनी चौहान, रीतू महेश्वर, कमला पाटिल,रेखा वासनिक, लता जैसवाल, शोभा पाटिल, मंदा भैसारे, रंजीता निकोसे, ममता गजभिये का विशेष सहयोग रहा। उपरोक्त जानकारी संस्था कि सचिव सुनीता पटेल द्वारा दी गई।

# श्री राम सिंधी पंचायत व भिलाई चेंबर का योग ध्यान शिविर 14 से 21 जून तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** श्री राम सिंधी पंचायत वैशाली नगर और छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स भिलाई द्वारा संयुक्त रूप से योग ध्यान और जुम्बा का साप्ताहिक शिविर लगाया जा रह है। यह शिविर 14 जून से 21 जून तक सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक रहेगा।

सीसीसीआई प्रदेश महामन्त्री अजय भसीन और पूज्य श्री राम सिंधी पंचायत के अध्यक्ष दिलीप पवद्यनी ने बताया की योग के लिए ज्ञानदर्शन योगाश्रम, सेक्टर 10 भिलाई से रघु चंद्र ठाकुर, ध्यान शिविर के लिए हार्टफुल नेथ संस्था से जय गुलवानी, जुम्बा फिटनेस से दर्शन अपनी सेवा देंगे। शिविर में पूज्य श्री राम सिंधी पंचायत से अध्यक्ष दिलीप पवद्यनी, डॉ हेमंत अंबवानी, धर्म दास बत्रा, मनोहर लाल थदानी, राम चंद्र चुगानी,जयराम दास गेहानी, नरेश कुकरेजा, गोपी पारप्यानी, गोपी राजपलानी, खिल्लू मल होतवानी, मुकेश गडेशानी, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स से प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, भिलाई अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र, सुनील मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, उद्योग चैम्बर से जेपी गुप्ता, केसी बेदी, मनोहर कृष्णानी आदि मौजूद रहेंगे।

# मोदी के नेतृत्व में भारत ने आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व प्रगति की है- तोखन साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि यह अवसर देश की प्रगति और विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों को दर्शाता है। इन 11 वर्षों में बुनियादी ढांचे,वित्तीय समावेशन और वैश्विक स्थिति में सुधार हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने अपने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह यात्रा सेवा, सुशासन,गरीब कल्याण और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण पर

आधारित रही है। इन 11 वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और वैश्विक मंच पर अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसने देश को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। भारत 2014 में 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जीडीपी वृद्धि दर, विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचे के विकास ने इस उपलब्धि में योगदान दिया। 'मेक इन इंडिया' अभियान ने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा दिया।

डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल ने स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित किया जिससे रोजगार सृजन और निर्यात में वृद्धि हुई ।जीएसटी, डिजिटल भुगतान (यूपीआई) और कॉर्पोरेट कर में कटौती जैसे सुधारों ने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाया। विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में भारत की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

राष्ट्रीय राजमार्गों,हाई-स्पीड रेल,मेट्रो परियोजनाओं और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं ने देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया। करोड़ों गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किए गए,जिसने उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाया और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया। देशभर में शौचालय निर्माण और स्वच्छता पर जोर ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के स्तर को बढ़ाया ।वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए करोड़ों बैंक खाते खोले गए, जिससे गरीबों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच मिली।

राम मंदिर निर्माण,काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अन्य सांस्कृतिक परियोजनाओं ने भारत की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा दिया है। डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) ने सरकारी योजनाओं के लाभ को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाया,जिससे भ्रष्टाचार में कमी आई। सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने से नागरिकों को सुविधा हुई और प्रशासनिक प्रक्रियाएँ तेज हुईं हैं।

# भविष्य का शहर, अतीत की नींव पर बीएसपी की टाउनशिप में नवजीवन का संचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 1955 में जब भिलाई इस्पात संयंत्र की नींव रखी गई थी, तब यह एक औद्योगिक परियोजना होने के साथ साथ भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और योजनाबद्ध नगरीय विकास की नींव भी थी। 1959 में संयंत्र से पहली बार लोहा निकलते ही देश की औद्योगिक यात्रा ने एक नया मोड़ लिया। इस संयंत्र ने इस्पात उत्पादन में देश को सशक्त करते हुए एक आदर्श नगर के रूप में भिलाई टाउनशिप की परिकल्पना को साकार किया।

1960 और 70 के दशकों में जब संयंत्र के लिए 13 सेक्टरों का निर्माण हुआ, तब इस आवासीय सुविधा ने संयंत्र कर्मियों के लिए एक ऐसा जीवन भी सुनिश्चित किया जिसमें कार्य और जीवन का संतुलन, हरियाली, खुले मैदान, उद्यान, सड़कें, विद्यालय, अस्पताल और नागरिक

संरचनाएं शामिल की गयीं। यही कारण है कि भिलाई टाउनशिप दशकों तक श्हरित नगरीश् के रूप में जानी गई। लेकिन समय के प्रवाह में, कुछ संरचनाएं जर्जर हुईं, कुछ सड़कें उपेक्षा की शिकार बनीं और टाउनशिप की मूल चमक मद्धम पड़ने लगी। फिर भी, यह केवल एक विराम था, अंत नहीं। अब, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 'हर माह एक नया काम' जैसे सशक्त अभियान के माध्यम से शहर के पुनरुद्धार की एक नई कथा लिखी जा रही है।

### नवीनीकरण की नई धारा

नगर सेवाएं विभाग ने जिस प्रतिबद्धता से इस अभियान को मूर्त रूप दिया है, वह प्रशंसनीय है। जर्जर सड़कों की चैड़ीकरण, मरम्मत और रिकारपेटिंग से लेकर पुराने आवासों एवं क्लबों व कम्युनिटी केन्द्रों के जीर्णोद्धार तक, हर पहल पर कार्य योजनाबद्ध और गतिशील है। यह महज रखरखाव नहीं, बल्कि नागरिकों को फिर से गरिमामय, स्वच्छ और संरक्षित जीवन देने का यत्न है जो लोगों के विष्वास, गौरव और सामुदायिक जुड़ाव को भी पुनर्जीवित कर रहा है।

### योगमय पहल: सूर्य नमस्कार की कलात्मक अभिव्यक्ति

इसी अभियान के तहत, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर केंद्रित, टाउनशिप में एक अद्वितीय सांस्कृतिक प्रतीक की स्थापना की गई है। सेक्टर-9 स्थित पं. रविशंकर शुक्ल चैक पर सूर्यनमस्कार की बाढ़ मुद्राओं का प्रदर्शन करतीं भव्य कलात्मक मूर्तियां स्थापित की गई है, जो भारतीय योग परंपरा को आधुनिक कलात्मक शैली में समर्पित एक प्रेरणास्पद उदाहरण है। इस कलाकृति में सूर्य नमस्कार के 12 आसनों को संयंत्र के अपने स्टील प्लेटों से निर्मित किया गया है। इसकी डिजाइनिंग संयंत्र के टाउन आर्किटेक्ट, श्री उमाशंकर राव द्वारा की गई है, यह न केवल संयंत्र की तकनीकी दक्षता, बल्कि उसकी सांस्कृतिक चेतना का भी परिचायक है।

### योजनाबद्ध परिवर्तन की दिशा में

आने वाले महीनों में नगर सेवाएं विभाग द्वारा सेक्टरवार उद्यानों के नवीनीकरण, सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नई प्रणालियों के क्रियान्वयन की योजनाएं हैं। यह प्रयास दर्शाता है कि भिलाई केवल एक औद्योगिक केंद्र नहीं, बल्कि एक जीवंत, विकसित और जागरूक नागरिक समुदाय का भी प्रतीक है। भिलाई इस्पात संयंत्र का यह निरंतर अभियान बताता है कि जब नेतृत्व में स्पष्टता हो और कार्य में निरंतरता हो, तो कोई भी शहर -चाहे वह कितना भी पुराना क्यों न हो- फिर से नवयुवक की भांति ऊर्जावान बन सकता है। हर माह एक नया काम सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि टाउनशिप के हर निवासी के लिए एक भरोसे की आवाज़ बन चुका है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### प्रत्युषा फाउंडेशनः निःशुल्क चिकित्सा शिविर अर्पणम् का हुआ आयोजन

**रायपुर।** सामाजिक संस्था प्रत्युशा फाउंडेशन के द्वारा शासकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के सहयोग से बीते सप्ताह विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शंकर नगर विद्या मंदिर स्कूल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर अर्पणम् का आयोजन किया गया।

शिविर में आये मरीजों का शासकीय आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाइयां भी दी गई। ट्रू डायग्नोस्टिक्स के द्वारा बीपी, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच की गई शिविर में 200 सेअधिक महिला पुरुष बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय श्रीवास्तव भाजपा प्रदेश मंत्री /अध्यक्ष नागरिक आपूर्ति निगम छत्तीसगढ़ शासन विशेष अतिथि माननीय अमरजीत सिंह छाबड़ा अध्यक्ष अल्प संख्यक आयोग छत्तीसगढ़ शासन अतिथि राजेश गुप्ता पार्षद शंकर वार्डसंरक्षक गुण निधि मिश्रा संयोजक आयुष मिश्रा उपस्थित थे।

आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सक डॉ संगीता यदु मेडिकल ऑफिसर शिविर प्रभारी,डॉ विवेक द्विवेदी मेडिकल ऑफिसर, सरोज आहूजा मेडिकल ऑफिसर उमा स्वामी सिस्टर ट्रूू डायग्नोस्टिक्स से पुरूषोतम मिश्रा और उनकी टीम यांगआर्म के अध्यक्ष नरेश मखीजा सोनल राजेश शर्मा मनीषा सिंह बघेल सचिव नवसृजन मंच संरक्षक प्रवीण शुक्ला उपाध्यक्ष रितु प्रजापति मीडिया प्रभारी अश्विन प्रभाकर चन्द्र प्रकाश प्रजापति अंजली देशपांडे योगेश मिश्रा संजय तिवारी स्कूल के पूरे स्टॉफ का सहयोग प्रशंसनीय रहा।

### छत्तीसगढ़ में फिर शुरु हो सकता है गौठानों का संचालन-जोशी

**रायपुर।** भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव संजय विनायक जोशी दो दिवसीय प्रवास पर आज सुबह राजधानी रायपुर पहुंची जहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

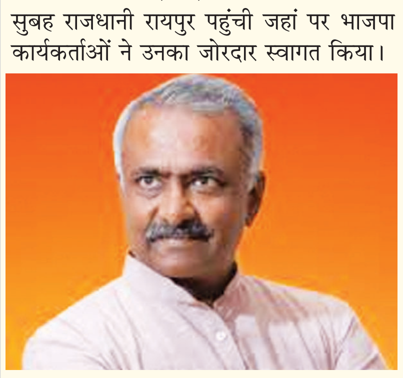

माना विमानतल पर कुछ पत्रकारों से चर्चा करते हुए गौशालाओं का नाम गौधाम करने के फैसले का स्वागत करते हुए जमकर उसकी सराहना किया। इस दौरान उन्होंने पूर्वती कांग्रेस सरकार में शुरू की गई गौठानों के संचालन करने कांग्रेस की मांग पर उन्होंने इसके फिर से संचाल के लिए राज्य सरकार से चर्चा करने की बात कही। श्री जोशी बलौदाबाजार में आयोजित समृद्ध भारत सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुरुवार सुबह राजधानी रायपुर पहुंचे। बताते दें कि प्रदेश में रोजाना गौ वंश सड़क हादसे के शिकार हो रहे है और इसकी रोकथाम के लिए गोठानों को फिर से शुरू करने की मांग काफी दिनों से उठ रही है।

# विश्व रक्तदाता दिवस पर आरोग्य मेलों में लोगों ने ली रक्तदान की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित साप्ताहिक आरोग्य मेलों के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने बुधवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर के 3807 आरोग्य मेलों में 46 हज़ार से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करायी जिसमे करीब 10 हजार से अधिक नागरिकों ने रक्तदान की शपथ ली तथा यह संकल्प दोहराया कि आवश्यकता पडने़ पर किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्तदान कर

जीवन बचाने में योगदान देंगे।

इस वर्ष की थीम रक्त दें, आशा दें: साथ मिलकर हम जीवन बचाते हैं के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रक्तदान पंजीकरण, शपथ समारोह, जागरूकता रैलियाँ एवं रक्तदाता सम्मान जैसे आयोजन संपन्न हुए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के मार्गदर्शन में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे यह जनसहभागिता गाँव-गाँव तक पहुँची। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टर प्रदर्शनी, रक्तदान प्रेरणा रैली तथा आदर्श रक्तदाताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे मानवीय सेवा का पर्व बना दिया।

विभाग द्वारा बताया कि यह सामाजिक चेतना और सेवा भाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि रक्तदान को हर जिले, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जीवनदायिनी पहल के रूप में स्थापित किया जाए। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। सहभागी निर्माण की यह प्रक्रिया आने वाले समय में प्रदेश को आत्मनिर्भर रक्तदान तंत्र की दिशा में मजबूती देगी। रक्तदान न सिर्फ जीवन बचाता है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और सेवा की भावना को भी सुदृढ़ करता है।

### रक्तदान की अवधि और पात्रता

कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 3 से 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है और यह शरीर के लिए सुरक्षित है। 18 से 65 वर्ष की उम्र के बीच कोई भी स्वस्थ नागरिक रक्तदान कर सकता है।

# विधायक राजेश मूणत के निर्देश पर विकास कार्य होंगे शीघ्र पूर्ण

## विधायक के साथ महापौर, सभापति और आयुक्त ने किया पैदल भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने राजधानी शहर रायपुर के जीई मार्ग में वन्दना ऑटो से एनआईटी मार्ग में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण पैदल भ्रमण करते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद आनंद अग्रवाल, अपर आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीओओ यूएस अग्रवाल, निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, मुख्य अभियंता यूके धलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर,जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 7 कमिश्नर राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, अंशुल शर्मा जूनियर, ईश्वर लाल टावरे, नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में दिए हैं।

इस मार्ग में डिवाइडर बन चुका है,किंतु उस पर जाली तथा पोल लगाने का कार्य अभी अधूरा है। इसी प्रकार सेंट्रल लाइब्रेरी के सामने का कार्य भी अपूर्ण है। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि विकास कार्य जिस गति से होना चाहिए, वह नहीं हो पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश के पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अनुपम उद्यान (महावीर पार्क) की साइड रोड पर भी दुकानों को उचित रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए हैं।

पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पुल का निरीक्षण करने के दौरान वहां पर की साफ -सफाई व्यवस्था को लेकर गहन असंतोष व्यक्त किया। रायपुर पश्चिम विधायक ने सम्बंधित अधिकारियों को कहा कि वे नियमित तौर पर निरीक्षण किया करें, ताकि परिसर एकदम साफ-सुथरा रहे। उन्होंने यहां स्थित कला केंद्र भी देखा और इसके परिसर को भी व्यवस्थित रखने कहा। इसके पश्चात पूर्व केबिनेट मन्त्री रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत वर्तमान चौपाटी तथा जहां यह चौपाटी शिप्ट होनी है उसे भी देखने गए और इस हेतु आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को स्थल पर दिए।

# बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म-1 पर फूड ट्रैक फूड प्लाजा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर/बिलासपुर।** यात्रियों को बेहतर खानपान सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर सेवाओं का विस्तार एवं उन्नयन करता आ रहा है। इसी क्रम में फूड प्लाजा जैसी आधुनिक सुविधा की शुरुआत यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर उपलब्ध कराई गई इस फूड ट्रैक फूड प्लाजा का विधिवत शुभारंभ आज दिनांक 11 जून को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण पाण्डेय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) कौशिक मित्रा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक(कोचिंग) अनुपम दत्ता, आईआरसीटीसी के अधिकारी, पर्यवेक्षक, अन्य अधिकारी एवं रेल यात्रीगण भी उपस्थित थे। फूड ट्रैक फूड प्लाजा के शुभारंभ के साथ ही यात्रियों को अब और अधिक विविध एवं गुणवत्तापूर्ण खानपान का विकल्प प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर उपलब्ध हो गई है । यह सुविधा यात्रियों को स्वच्छता के साथ गुणवत्तायुक्त खानपान सेवाएं सुनिश्चित करेगी।

उल्लेखनीय है कि बिलासपुर स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों पर पहले से ही यात्रियों के लिए फास्ट फूड, केटरिंग स्टॉल, टी स्टॉल तथा प्लेटफार्म नं 1 पर ऑटोमैटिक वेंडिंग मशीन जैसी अनेक खानपान सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब फूड ट्रैक जैसे आधुनिक फूड प्लाजा के जुड़ने से स्टेशन की खानपान सेवाओं में और भी वृद्धि होगी। साथ ही फूड प्लाजा के माध्यम से यात्रियों को ई-केटरिंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

# स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ चिकित्सकों का आवासीय प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विकसित छत्तीसगढ़ की नीति को ग्रामीण जनों तक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में चिकित्सकों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। चिकित्सकों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण पूर्ण हुआ। यह प्रशिक्षण सह कार्यशाला 3 जुलाई तक चलेगा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल

दूसरे बैच का प्रशिक्षण पूरा, 3 जुलाई तक चलेगा प्रशिक्षण सह कार्यशाला

करने हेतु विषयों का चयन किया गया है। इस कार्यशाला में राज्य के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियमित चिकित्सा अधिकारियों का चयन किया गया है, अभी तक 80 चिकित्सको का आवासीय प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया तथा आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं एवं मिशन संचालक डॉ प्रियंका शुक्ला द्वारा चिकित्सकों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए ये पहल की गई है। कार्यशाला में मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन, मलेरिया उन्मूलन विषयों के अलावा गर्भवती माताओं से शिशुओं में एचआईवी संक्रमण शून्य करने हेतु चयन किया है। वर्तमान में लाइफ स्टाइल से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम, गैर संचारी रोग जैसे उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कैंसर के दरों में नियंत्रण भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। चिकित्सकों को सक्षम बनाने एवं स्वास्थ्य अमलों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही अस्पताल में गुणवत्ता पूर्ण जांच एवं उपचार की सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय मानकों के विषय पर भी सभी चिकित्सकों का क्षमता विकास किया जाना मुख्य उद्देश्य है। उपरोक्त कार्यशाला में संचालनालय स्वास्थ्य के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विषय विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

# विधायक ने अधिकारियों सहित नालों का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रायपुर निगम के आयुक्त विश्वदीप, रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि मैकमिलन साहू, जोन 9 जोन अध्यक्ष गोपेश कुमार साहू, एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन, वार्ड पार्षद सावित्री धीवर, देवदत्त द्विवेदी, मोहन कुमार साहू, जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता पद्माकर श्रीवास सहित अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत आने वाले कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड नम्बर 7, पण्डित मोतीलाल नेहरू वार्ड नम्बर 8,डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड नम्बर 11 के क्षेत्र में विभिन्न नालों का निरीक्षण किया।

रायपुर ग्रामीण विधायक और आयुक्त ने जोन 9 क्षेत्र के अंतर्गत दलदल सिवनी और अन्य स्थानों पर नालों का निरीक्षण कर स्थल समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। रायपुर ग्रामीण विधायक ने अधिकारियों को रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के तहत रायपुर नगर

निगम जोन 9 के अंतर्गत वार्डों के नालों का शीघ्र सीमांकन पटवारी से करवाने और सभी नालों को कब्जों से मुक्त करवाने अभियान चलाने के आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीण विधायक और आयुक्त ने सम्बंधित जोन अधिकारियों को मानसून के पूर्व नालों को कब्जों से मुक्त करवाकर अच्छी तरह सुव्यवस्थित सफाई करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि मानसून में तेज बारिश के दौरान जलभराव की समस्या ना आये। ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने जोन 9 के क्षेत्र में रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में गन्दे पानी की सुगम निकासी करवाने व्यवहारिक आवश्यकता के अनुरूप नालों में सुधार और मरम्मत कार्य शीघ्र करवाने और नए नालों का निर्माण करवाए जाने आवश्यक सक्षम स्वीकृति शीघ्र लेने सर्वे करवाकर प्रस्ताव देने के निर्देश दिए हैं।

# भाजपा मनाएगी विकसित भारत का अमृत काल, बनी कार्ययोजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर शहर जिला कार्यालय एकात्म परिसर में बुधवार शाम जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में बैठक आहूत की गई। बैठक में राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा निर्देशित कार्यक्रमों के प्रतिपादन की पूर्ण जानकारी जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों को में दी गई। जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने उपस्थित पदाधिकारियों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी साथ ही सभी पदाधिकारियों को विभिन्न कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंपी गई ।

रमेश सिंह ठाकुर ने कहा देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के ग्यारह साल पूर्ण हो चुके हैं और केंद्र में नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व के ग्यारह साल बेमिसाल गौरव पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ हमारी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने 9 जून से लेकर 21 तक राष्ट्रीय, प्रदेश स्तरीय, जिला स्तरीय और मंडल स्तरीय कार्यक्रम प्रदत्त किए गए हैं जिसके तहत वृहद वृक्षारोपण, बदलता भारत मेरा अनुभव पर डिजिटल प्रतियोगिता, जिला स्तरीय प्रेस वार्ता, मंडल स्तर पर संकल्प सभा, शक्तिकेंद्र पर चौपाल और आयुष्मान पंजीकरण, जिला एवं मंडल स्तर पर योग दिवस, डॉ.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन, आपातकाल के 50 वर्ष होने पर प्रदर्शनी और कार्यशाला और साथ ही कल शाम 5 बजे बेबीलॉन इंटरनेशनल फाफाडीह चौक पर प्रोफेशनल मीट और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना तय है उक्त कार्यक्रम में रायपुर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहेंगे।

रायपुर शहर जिला कार्यालय एकात्म परिसर में आहूत आवश्यक बैठक में मंच संचालन जिला महामंत्री सत्यम दुबा और आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष अकबर अली ने किया आज आहुत बैठक में विशेष रूप से जिला उपाध्यक्ष श्यामा प्रसाद चक्रवर्ती, आशु चंद्रवंशी, गोपी साहू, हरीश ठाकुर, राजीव मिश्रा, संजय तिवारी, सुभाष अग्रवाल, तुषार चोपड़ा, अमित मैशेरी, जितेंद्र गोलछा, अनिल बाघ, राहुल राय, वंदना राठौर, राजकुमार राठी, तोषण कुमार साहू, संजय सिंह अभिषेक तिवारी चैतन्य टावरी, प्रवीण देवड़ा, अनिल सोनकर, भोला साहू, विनय जैन, भागीरथी यादव, केदार धनगर, पुरुषोत्तम मोवले, संदीप जंघेल, संतोष कुमार सोनी, संदीप जहांगीर, दलविंदर सिंह बेदी, संतोष साहू, अनूप खेलकर, रविंद्र सिंह ठाकुर, योगेश साहू, जितेंद्र गंडेचा, राम प्रजापति, भूपेंद्र सिंह, संजय शुक्ला, अनीश दास, दीपक शर्मा सहित अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# आज नहीं होगी छत्तीसगढ़ी फिल्म जानकी-भाग 1 रिलीज, सेंसर बोर्ड ने नाम बदलने कहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** एन माही फिल्म के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी व हिन्दी फिल्म जानकी भाग -1, आज छत्तीसगढ़ के साथ पूरे भारत वर्ष में रिलीज होने वाली थी लेकिन रिलीज से ठीक चार दिन पहले सेंसर बोर्ड ने फिल्म का नाम बदलने और ऊपर से आदेश होने की बात कहकर रिलीज के लिए सर्टिफिकेट देने से इंकार कर दिया। इस बात से निर्माता व निर्देशक मोहित साहू काफी मायूस दिखे और उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि फिल्म के रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने पोस्टर, ट्रीजर और दो अन्य चीजों को पास किया था तो

उस समय बता देते तो वे कुछ कर सकते थे लेकिन फिल्म के रिलीज डेट नजदीक आने के बाद रिलीज के लिए सर्टिफिकेट देने से इंकार करना बहुत दुख की बात है।

उन्होंने कहा कि फिल्म की कहानी उनकी हीरोइन जानकी पर लिखी गई है और यह महिला प्रधान फिल्म है इसमें किसी भी प्रकार की फुहड़पन नहीं दिखाया गया है तो सेंसर बोर्ड को रिलीज के लिए सर्टिफिकेट देने में क्यों तकलीफ हो रही है। सोमवार को वे मुंबई पहुंचे और फिल्म रिलीज के लिए उन्होंने अर्जेंट में 80 हजार रुपये भी जमा किया लेकिन इसके बाद भी उन्हें कह दिया गया कि नाम को बदलना होगा। उन्होंने आमजनों के समक्ष अपनी पीड़ा रखते हुए कहा कि वे इसके रिलीज के लिए कोर्ट तक जाएंगे और इसकी नाम से वे टाइटल लेकर रहेंगे। क्योंकि उन्होंने छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और सामाजिक परिवेश को छत्तीसगढ़ के साथ देश और विदेश में फिल्म जानकी भाग -1 के माध्यम से पहुंचाना चाहते है।

# अब खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हूं : सारा अली खान

**फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हैं।**

सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो। इन दिनों के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है। कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूँ कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं।

म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग-अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों का सामना करते हैं। फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं।

अनुराग बसु, संगीत के दिग्गज प्रीतम, टी-सीरीज के निर्माता भूषण कुमार और शाश्वत सिंह, पापोन और राघव चैतन्य जैसे गायकों की उपस्थिति में फिल्म का पहला गाना 'जमाना लागे जारी किया गया था। गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, 'मेट्रो इन दिनो' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा किया गया है।

यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है। सारा को आखिरी बार एक्शन ड्रामा फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था, जो 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी हैं।

# प्रियंका चोपड़ा को ऑफर हुआ था रामायण में शूर्पणखा का किरदार, किस वजह से अभिनेत्री ने नहीं की फिल्म

**नितेश तिवारी की 'रामायण' हिंदी सिनेमा की सबसे अवेटेड फिल्मों में से एक है। साउथ से लेकर नार्थ तक लोगों को इस फिल्म का इंतजार है क्योंकि पहली बार इस लेवल की फिल्म बनने जा रही है। डायरेक्टर नितेश तिवारी 835 करोड़ के मेगा बजट में 'रामायण' बनाने जा रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर राम और साई पल्लवी सीता के रोल में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने फिल्म के लिए बेहतरीन स्टारकास्ट को फाइनल किया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह फिल्म में रावण की बहन शूर्पणखा को रोल में नजर आने वाली हैं, लेकिन इस रोल के लिए वो पहली पसंद नहीं थीं।**

मेकर्स ने फिल्म में शूर्पणखा का रोल पहले प्रियंका चोपड़ा को ऑफर किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने शूर्पणखा के महत्वपूर्ण रोल के लिए प्रियंका चोपड़ा जोनास को कास्ट करने की इच्छा जताई थी। शूर्पणखा के किरदार रामायण के सबसे अहम किरदारों में से एक है जिसकी वजह से राम और रावण के बीच युद्ध हुआ था।

### अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने क्यों ठुकरा दिया था शूर्पणखा का रोल

सूत्र ने बताया, शूर्पणखा रामायण के होने के मुख्य कारणों में से एक है। निर्माताओं ने प्रियंका चोपड़ा को इस रोल के लिए लेना चाहा था। लेकिन उनके बिजी इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स के कारण यह संभव नहीं हो पाया। तब रकुल को इस रोल के लिए चुना गया। उन्होंने इस किरदार में नई ऊर्जा और गहराई लाई।

### रणबीर-साई पल्लवी बनेंगे राम और सीता

रामायण की कास्ट में रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में, साई पल्लवी सीता के रूप में, और यश रावण के रूप में शामिल हैं। अमिताभ बच्चन जटायु का रोल निभा रहे हैं, जबकि सनी देओल हनुमान के रूप में नजर आएंगे। इस लाइनअप में रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में, मोहित रैना भगवान शिव के रूप में, अरुण गोविल राजा दशरथ के रूप में, लारा दत्ता कैकेयी के रूप में, काजल अग्रवाल मंदोदरी के रूप में, कुणाल कपूर भगवान इंद्र के रूप में, और विवेक ओबेरॉय विद्युतजीवा के रूप में शामिल हैं।

### 'हेड्स ऑफ स्टेट' में दिखेंगी प्रियंका

जहां फैंस प्रियंका को एक पौराणिक किरदार में देखने के लिए उत्सुक थे, वहीं यह ग्लोबल एक्ट्रेस अपने अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वह अगली बार एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ जॉन सीना और इद्रिस एल्बा भी होंगे। यह फिल्म 2 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्रियंका के पास 'द ब्लफ' नामक एक पीरियड ड्रामा भी है, इसके बाद 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन और एस एस राजामौली की आगामी फिल्म SSMB29 महेश बाबू के साथ है।

# सगाई के तुरंत बाद अविका गौर ने मंगेतर संग लिया बड़ा फैसला

**टीवी की फेमस एक्ट्रेस अविका गोर ने हाल ही में अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी के साथ जिंदगी की नई शुरूआत की है। उन्होंने मिलिंद चंदवानी के साथ सगाई कर ली है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हुई। अब खबर आ रही है कि ये जोड़ी कलर्स टीवी के शो 'पति, पत्नी और पंगा' में नजर आने वाले हैं।**

अविका ने इंस्टाग्राम पर सगाई की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि उन्होंने मिलिंद के प्रपोज करने पर हां कह दी और ये पल उनके लिए बेहद इमोशनल और फिल्मी रहा। उन्होंने ये भी बताया कि वह जहां एक तरफ इमोशनल और ड्रामेटिक हैं, वहीं मिलिंद बेहद शांत, सुलझे हुए और हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने वाले इंसान हैं। उनकी पोस्ट में दोनों एक साथ काफी क्यूट लग रहे थे। वहीं फैन्स को दोनों की जोड़ी देखकर ऐसा लगा जैसे कोई रोमांटिक फिल्म देख रहे हों। तस्वीरों में दोनों की केमिस्ट्री देख फैन्स और टीवी इंडस्ट्री के सितारों ने उन्हें जमकर बधाइयां दीं।

### टीवी सितारों ने दी बधाइयां

शांतनु महेश्वरी और वर्धन पुरी जैसे नामी सितारों ने उन्हें बधाइयां देते हुए कमेंट्स किए। अविका की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। फैंस इस जोड़ी को टीवी पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

### पति, पत्नी और पंगा में नजर आएगी जोड़ी

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो सगाई के बाद ये जोड़ी रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में साथ नजर आने वाली है, जहां दर्शकों को उनकी रियल लाइफ बॉन्डिंग देखने को मिलेगी। ये शो रिलेशनशिप पर आधारित है और हाल ही में हिना खान और रॉकी जायसवाल के बाद अब अविका और मिलिंद की जोड़ी भी इस शो को लेकर एक और आकर्षण बन चुकी है।

### प्यार की नई शुरुआत

अविका और मिलिंद दोनों ही सोशल वर्क से भी जुड़े रहे हैं। जहां मिलिंद एक एनजीओ चलाते हैं, वहीं अविका सामाजिक मुद्दों पर भी अपनी राय रखती आई हैं। दोनों की जोड़ी को लोग एक आइडियल कपल मानते हैं। इस नए सफर की शुरुआत को लेकर दोनों काफी उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर उनकी जोड़ी को लेकर खूब चर्चाएं हैं। दर्शकों को अब न सिर्फ उनकी लव स्टोरी बल्कि उनकी रियल केमिस्ट्री देखने का मौका मिलेगा।

# शनाया कपूर की डेब्यू फिल्म का पहला गाना नजारा जारी

**अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। पिछले कुछ दिनों से वह अपनी डेब्यू फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में शनाया की जोड़ी विक्रांत मैसी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।**

अब आंखों की गुस्ताखियां का पहला गाना नजारा रिलीज हो गया है, जिसमें शनाया और विक्रांत एक-दूजे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। नजारा गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल भी इन्होंने ही लिखे हैं। शनाया और विक्रांत की केमिस्ट्री लोगों को खूब पसंद आ रही है।

संतोष सिंह के निर्देशन में बनी फिल्म आंखों की गुस्ताखियां को 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। आंखों की गुस्ताखियां का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है और अब प्रशंसक इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं।

# ब्लैक डीप नेक आउटफिट में मोनालिसा का स्टनिंग लुक, सेक्सी अदाओं से लूटी महफिल

**भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जो अब इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में मोनालिसा ब्लैक डीप नेक आउटफिट में नजर आ रही हैं।**

खुले बाल, सटल मेकअप और एक्सप्रेशन के साथ मोनालिसा ने फैंस के दिलों पर बिजलियां गिरा दी हैं। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, रवैया बेबाकी से लगभगपिछली रात स जादूई तेरीनाजार -100 एपिसोड- पार्टी। यह तस्वीरें उनके सीरियल जादुई तेरी नजर के 100 एपिसोड पूरे होने की पार्टी की हैं। पार्टी की ये झलक फैंस को काफी पसंद आ रही है और लोग उनके लुक्स पर दिल हार बैठे हैं।

मोनालिसा की इन तस्वीरों पर फैंस ने फायर और हार्ट इमोजी की बौछार कर दी है। कोई उन्हें गॉर्जियस क्वीन कह रहा है तो कोई उनकी अदाओं का दीवाना हो गया है। उनके इस ग्लैमरस अवतार ने यह साबित कर दिया है कि वह स्टाइल और फैशन के मामले में किसी से कम नहीं हैं। सोशल मीडिया पर मोनालिसा की तगड़ी फैन फॉलोइंग है और उनके हर लुक को लेकर लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बार भी उनका बोल्ड अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

# आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का यह पानी

**आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।**

### गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

### दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं।

अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

### मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

**(नोट : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।)**

# अपने नाश्ते में चुकंदर को शामिल करना चाहते हैं तो इन 5 तरीकों को अपनाएं

**चुकंदर एक ऐसी सब्जी है, जो अपने खास स्वाद और रंग के कारण काफी पसंद की जाती है। आमतौर पर इसे सलाद में ही खाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चुकंदर को नाश्ते में शामिल करने के कई अच्छे तरीके हैं? यह न केवल आपके नाश्ते को सेहतमंद बनाता है, बल्कि इसे और भी स्वादिष्ट भी बना सकता है। आइए चुकंदर को नाश्ते में शामिल करने के तरीके जानते हैं।**

### चुकंदर का परांठा बनाएं

चुकंदर का परांठा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसे बनाने के लिए गेहूं के आटे में कदूकस किया हुआ चुकंदर, नमक, लाल मिर्च पाउडर और थोड़ा-सा अजवाइन मिलाकर गूंथ लें। अब इस मिश्रण से परांठे बनाएं और इन्हें घी या तेल में सेंक लें। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स आपके शरीर को ताकत देते हैं। इसे दही या अचार के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

### चुकंदर का उपमा बनाएं

उपमा एक पारंपरिक दक्षिण भारतीय व्यंजन है, जिसे सूजी से बनाया जाता है, लेकिन क्या आपने कभी चुकंदर का उपमा आजमाया है? इसके लिए सूजी को भून लें और उसमें कदूकस किया हुआ चुकंदर, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। अब इसमें पानी डालकर पकने दें। यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इसे नारियल की चटनी के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

### चुकंदर की चीला बनाएं

चीला एक लोकप्रिय उत्तर भारतीय नाश्ता है, जिसे बेसन से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए बेसन में

कदूकस किया हुआ चुकंदर, बारीक कटी हुई प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट मिलाकर घोल तैयार करें। अब इस घोल को तवे पर फैलाकर सेंके। यह न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर आपके शरीर को ऊर्जा देते हैं। इसे हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें और इसका आनंद लें।

### चुकंदर का सूप बनाएं

सूप सेहत के लिए अच्छे होते हैं और इन्हें कई प्रकार से बनाया जा सकता है। इसके लिए उबले हुए चुकंदर को मैश करके उसमें पानी डालें और उसे उबाल लें। अब इसमें नमक, काली मिर्च और थोड़ी सी क्रीम मिलाकर इसे परोसें। यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इसे गर्मागर्म परोसें और इसका आनंद लें। यह सूप न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स शरीर को ताकत देते हैं।

### चुकंदर का जूस बनाएं

जूस सेहत के लिए अच्छे होते हैं और इन्हें कई प्रकार से बनाया जा सकता है। इसके लिए ताजे टमाटर, गाजर, खीरा आदि सब्जियों के साथ-साथ उबले हुए चुकंदर को जूसर में डालें और जब जूस निकल जाए तो इसमें नींबू रस मिलाएं और ठंडा करके परोसें। यह नाश्ते के लिए एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प हो सकता है। इस तरह आप अपने रोजमर्रा के नाश्ते में कुछ नया आजमाकर दिन की शुरुआत ताजगी से कर सकते हैं।

## खास खबर

### जिले के विभिन्न जलप्रपातों के आसपास नहाने और सेल्फी लेने वालों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अनेक खूबसूरत जलप्रपात स्थित हैं, जिनमें अमृतधारा, रमदहा तथा कर्म घोंघा जिले की प्रमुख जलप्रपात हैं। इन प्राकृतिक स्थलों पर लगातार पर्यटकों की भीड़ उमड़ती है, लेकिन लापरवाही भरे व्यवहार से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। विगत दिवस नागपुर तहसीलदार समीर शर्मा के नेतृत्व में अमृतधारा जलप्रपात पर कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार कृष गुप्ता पिता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता उम्र 19 वर्ष निवासी बस स्टैंड के पास मनेंद्रगढ़ तथा मोहम्मद अरशद पिता समीम कुरैशी उम्र 20 वर्ष निवासी लोको कॉलोनी मनेंद्रगढ के दोनों युवक अमृतधारा जलप्रपात पर पहुंचे थे। इन्हें जलप्रपात के नीचे पानी के बेहद करीब नहाते हुए देखा गया, जिसके चलते इन्हें तत्काल गिरफ्तार कर थाना नागपुर ले जाया गया। थाने में परिजनों के निवेदन पर दोनों युवकों को सख्त समझाइश देकर रिहा किया गया। यह पहला मामला नहीं है, इससे पूर्व भी जिले के विभिन्न जलप्रपातों में इस तरह की लापरवाहियों के कारण कई दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। इन्हीं घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सख्त चेतावनी जारी की है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति चाहे वह अकेले हो या समूह में जलप्रपात के आसपास नहाते हुए या सेल्फी लेते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी प्रकरण दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

### 30 दिवसीय जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

**रायगढ़।** रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर में 30 दिवसीय जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। 13 मई से 11 जून 2025 तक आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में कुल 11 विभिन्न खेल विधाओं में लगभग 276 छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेलों की तकनीकी जानकारी प्रदान करना, उनकी प्रतिभा को निखारना तथा खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। समापन समारोह में डिप्टी कलेक्टर रायगढ़ श्री प्रवीण कुमार भगत ने खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण में भाग लेकर खिलाडियों ने खेल की बारीकियों को सीखा और अपनी प्रतिभा को निखारा। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और उनके प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दी। डिप्टी कलेक्टर श्री भगत ने कहा कि खेल प्रशिक्षण न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य और अनुशासन को भी बढ़ावा देता है।

### एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गोलावंड में प्रवेश हेतु आवेदन 14 जून तक

**कोण्डागांव।** कोण्डागांव में कक्षा 7वीं, 8वीं, 9वीं और 11वीं में रिक्त सीटों के सापेक्ष अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित की गई है। कक्षा 7वीं से 9वीं तक चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर जबकि कक्षा 11वीं हेतु चयन मेरिट के आधार पर किया जाना है। प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 14 जून 2025 है । इसे विद्यालय की वेबसाईट या विद्यालय आकर प्राप्त किया जा सकता है। विस्तृत जानकारी विद्यालय के वेबसाईट https://emrsgo-lawand.netlify.app पर उपलब्ध है।

# धमतरी जिले में एक भी स्कूल शिक्षकविहीन नहीं

## धमतरी के 133 स्कूलों से एकल शिक्षक का दर्जा हटा, हुई अन्य शिक्षकों की नियुक्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में स्कूलों और शिक्षकों के युतियुक्तकरण से सबसे ज्यादा फायदा एक शिक्षक वाले स्कूलों को हुआ है। ऐसे 170 स्कूलों में से 133 स्कूलों को अतिरिक्त शिक्षक मिल गए है। दूरस्थ अंचलों में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय शाला होने से बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर पड़ रहा था, जो अब शिक्षकों के पदस्थापना से दूर होने जा रहा है। धमतरी जिले में युक्तियुक्तकरण के बाद शिक्षकों की पदस्थापना से बिना टीचर वाले तीन प्राथमिक और चार मिडिल स्कूलों में भी शिक्षकों की पदस्थापना हो गई है। इसके साथ ही 111 हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों को गणित तथा विज्ञान विषयों के टीचर भी मिल गए है, इससे इन शालाओं में शैक्षणिक वातावरण बेहतर होगा।

राज्य शासन के दिशा-निर्देश में जिले में अतिशेष शिक्षकों के काउंसलिंग की प्रक्रिया पूर्ण होने पश्चात जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मौजूद शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को अब न केवल नए शिक्षक मिले हैं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा भी सुनिश्चित हुई है। जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के बच्चों को टीचर्स की कमी के कारण पढ़ाई में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। शिक्षक नहीं होने से बच्चों का भविष्य अधर में था। लेकिन आज युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शालाओं को शिक्षक मिलने से बच्चों के भविष्य के लिए आशा की एक नई किरण दिखने लगी है।

युक्तियुक्तकरण से पहले जिले के मैदानी इलाकों के स्कूलों में दर्ज संख्या के मान से अधिक शिक्षक कार्यरत थे और वहीं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में विद्यार्थियों की दर्ज संख्या के अनुपात से शिक्षक कार्यरत नहीं होने के कारण शिक्षक, छात्र-छात्राओं के अध्यापन कार्य में असंतुलन की स्थिति थी। टीचर्स के इस असंतुलित वितरण से कई विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई पर काफी नकारात्मक असर पड़ रहा था। गणित, विज्ञान, रसायन और भौतिकी विषय के शिक्षकों की उपलब्धता नहीं होने से छात्रों को इन विषयों पर पकड़ बनाने में दिक्कत होती थी। जिला प्रशासन ने इसे युक्तियुक्तकरण के माध्यम से दूर करने का काम किया गया है।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि जिले के 111 स्कूलों में गणित विज्ञान के शिक्षक नहीं थे, ऐसे स्कूलों में विषय अनुसार टीचर्स नियुक्त किए गए हैं। युक्तियुक्तकरण से दूरस्थ अंचल जैसे दक्षिण मगरलोड नगरी विकासखंड और डूबान क्षेत्र में शिक्षकों की कमी को दूर कर समाधान निकाला गया है। उन्होंने कहा कि खुशी की बात है कि युक्तियुक्तकरण पश्चात सभी शिक्षकों ने अपने आवंटित स्कूलों में ज्वाइन कर लिया है। इन क्षेत्रों में शिक्षकों की नियुक्ति से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों पालकों और स्कूली बच्चों में उत्साह है। बच्चों की पढ़ाई में जो समस्या होती थी, अब उससे राहत मिल पाएगी। साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

### अटंग प्राइमरी स्कूल में 121 बच्चों पर केवल दो टीचर, अब तीन नए और मिले, संख्या पाँच हुई

विकासखंड कुरुद मुख्यालय से महज 4 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत अटंग के शासकीय नवीन प्राथमिक शाला प्रेमनगर अटंग में 121 बच्चे अध्ययनरत हैं। अत्यधिक दर्ज संख्या उपरांत भी विगत वर्षों से केवल दो शिक्षक एक प्रधान पाठक और एक सहायक शिक्षक सहित स्थानीय व्यवस्था में वैकल्पिक शिक्षकों के भरोसे विद्यालय में अध्यपन कार्य संपादित हो रहे थे। अत्यधिक प्रयास के बाद भी बच्चों की पढ़ाई लिखाई में अपेक्षित गुणवत्ता प्राप्त कर पाना कठिन था। जिसके कारण शाला प्रबंधन समिति पदाधिकारियों, सरपंच और पालकों द्वारा शिक्षकों की मांग लगातार की जा रही थी। शासन द्वारा स्कूलों में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के द्वारा आज विद्यालय में 3 नए सहायक शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इससे दर्ज विद्यार्थीयों की संख्या के अनुपात में पर्याप्त शिक्षक की पूर्ति हो पाई है। युक्तियुक्तकरण से विद्यालय में शिक्षिका श्रीमती पार्वती बघेल, श्रीमती दूज कुर्रे और श्रीमती लक्ष्मी मुदलियार ने नवीन प्राथमिक शाला प्रेमनगर अटंग में कार्यभार ग्रहण किया। शासन के इस प्रक्रिया से शिक्षक मिलने पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री उमेंद्र साहू, उपाध्यक्ष श्री शिवकुमार साहू, सही अन्य सदस्यों एवं पालकों ने खुशी जाहिर की है ।

### सूरजपुर जिले की शालाएं बनीं शिक्षक युक्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर ऐतिहासिक पहल

**सूरजपुर।** जिले में बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई है। इस पहल के तहत अब जिले की लगभग सभी शालाएं शिक्षक युक्त हो चुकी हैं, जिससे जिले की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक और सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। पूर्व में जिले की 18 प्राथमिक शालाएं पूरी तरह से शिक्षक विहीन थीं, लेकिन अब ये सभी शालाएं शिक्षकयुक्त हो गई हैं। इसी तरह, पहले 281 प्राथमिक शालाएं एकल शिक्षक प्रणाली पर आधारित थीं, जिनकी संख्या अब घटकर केवल 47 रह गई है। इसके अतिरिक्त, दो हाई स्कूल भी शिक्षक विहीन थे, जिन्हें अब योग्य शिक्षकों से सुसज्जित कर दिया गया है।

जिले के सभी पूर्व माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भी शिक्षकों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गई है। शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, 1 से 3 जून 2025 तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विश्रामपुर में ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया गया। इस प्रक्रिया में वरीयता क्रम के आधार पर सैकड़ों अतिशेष शिक्षकों की नवीन पदस्थापना की गई। इससे न केवल शिक्षकविहीन शालाओं की समस्या का समाधान हुआ, बल्कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों की शालाओं में भी शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शिक्षकों के इस युक्तियुक्तकरण से जिले में शिक्षा के परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। शासन और जिला प्रशासन की यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो रही है।

### 10 पूर्णतः शिक्षकविहीन विद्यालयों को भी मिले शिक्षक

**कोंडागांव।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति के सकारात्मक नतीजे अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखने लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर संचालित इस प्रक्रिया के तहत कोंडागांव जिले के सभी शिक्षकविहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों को आवश्यकतानुसार शिक्षक मिल चुके हैं। इससे जिले में शिक्षा का नया उजाला फैला है और विद्यार्थियों का भविष्य अब अधिक सुरक्षित हुआ है। इस पहल के तहत जिले के 10 पूरी तरह शिक्षकविहीन प्राथमिक विद्यालयों को शिक्षक उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही 244 एकल शिक्षकीय प्राथमिक शालाएं, दो पूर्व माध्यमिक विद्यालय, दो हाई स्कूल और एक हायर सेकेंडरी स्कूल में भी शिक्षकों की पदस्थापना कर दी गई है। अब जिले में एक भी विद्यालय ऐसा नहीं बचा है जहां शिक्षक न हो।

#### इन विद्यालयों को मिला सबसे अधिक लाभ

माकड़ी विकासखण्ड के प्राथमिक शाला करमरी, डोंगरीपारा क्षमतापुर और नेवरा, बड़ेराजपुर विकासखण्ड के रावसवाही, कोण्डागांव विकासखण्ड के कोरमेल, बाखरा, ज्ञान ज्योति नयापारा छोटेबंजोड़ा, एहरा और खुटडोबरा जैसे प्राथमिक विद्यालय वर्षों से शिक्षकविहीन थे। इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति से अब बच्चों की पढ़ाई सुचारु रूप से शुरू हो सकेगी।

#### एकल शिक्षकीय विद्यालयों में भी सुधार

फरसगांव विकासखण्ड के उच्च प्राथमिक शाला भैंसाबोड़, माध्यमिक शाला बाजारपारा फरसगांव, कोण्डागांव विकासखण्ड के हाई स्कूल डोंगरीगुड़ा और हाई स्कूल नवागांव, माकड़ी विकासखण्ड के हाई स्कूल एरला जैसे अनेक स्कूलों में भी अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। कुल मिलाकर 244 एकल शिक्षकीय प्राथमिक शालाओं में भी अब संतुलित शिक्षक संख्या उपलब्ध हो चुकी है।

#### शिक्षा व्यवस्था को मिली नई दिशा

युक्तियुक्तकरण के इस व्यापक और सुनियोजित प्रयास से जिले की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिली है। शिक्षकों की उपलब्धता से जहां बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता आएगी, वहीं शैक्षणिक गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा।

### मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में शिक्षा व्यवस्था को मिली नई मजबूती

**मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।** छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित युक्तियुक्तकरण अभियान के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। यह सुधार शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आया है। शासन के निर्देश पर जिले में संचालित विद्यालयों की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें यह तथ्य सामने आया कि युक्तियुक्तकरण से पूर्व जिले में 3 प्राथमिक शालाएं और 1 हाई स्कूल पूरी तरह से शिक्षक विहीन थे। इन सभी शालाओं में त्वरित कार्रवाई करते हुए शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। अब जिले का कोई भी प्राथमिक विद्यालय या हाई स्कूल शिक्षक विहीन नहीं है, जो प्रशासन की सक्रियता और शिक्षा विभाग की तत्परता को दर्शाता है। हालांकि, जिले में अभी भी 2 प्राथमिक शालाएं एकल शिक्षक प्रणाली पर आधारित हैं। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन शालाओं को भी शीघ्र ही बहु-शिक्षक विद्यालयों में परिवर्तित करने की दिशा में आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और भरतपुर विकासखंडों के ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों में स्थित कई विद्यालयों में पूर्व में शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण पठन-पाठन प्रभावित हो रहा था। अब युक्तियुक्तकरण के पश्चात इन शालाओं में नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है। शिक्षा विभाग के अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति से शिक्षकों की तैनाती में असंतुलन को दूर किया गया है। अब हमारा प्रयास शेष एकल शिक्षकीय विद्यालयों को भी बहु-शिक्षकीय स्वरूप प्रदान करने का है, जिससे शिक्षकों का कार्यभार संतुलित हो और छात्रों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिले। विभाग ने बताया कि युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में जिले के सभी विकासखंडों से प्राप्त आंकड़ों का सूक्ष्म विश्लेषण कर प्राथमिकता के आधार पर शिक्षकों की नवीन पदस्थापना की गई है। साथ ही, जहां आवश्यकता है, वहां त्वरित समाधान की दिशा में निरंतर कार्य जारी है।

### जैतपुरी और सारंगपुरकला प्राथमिक विद्यालयों में हुई शिक्षकों की नियुक्ति

**कबीरधाम।** छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई युक्तियुक्तकरण नीति का असर कबीरधाम जिले में स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिले के शिक्षक विहीन और एकल शिक्षकीय विद्यालयों में अब शिक्षकों की नियमित नियुक्ति हो चुकी है, जिससे दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। युक्तियुक्तकरण से जिले के कवर्धा विकासखंड के जैतपुरी और बोड़ला विकासखंड के सारंगपुरकला जैसे प्राथमिक स्कूलों जो पहले शिक्षक विहीन थे, उनमें अब नियमित शिक्षक उपलब्ध हो गए हैं। पहले इन विद्यालयों में संलग्नीकरण के माध्यम से शिक्षक की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अब युक्तियुक्तकरण के बाद वहां शिक्षकों की पदस्थापना की जा चुकी है। कबीरधाम के जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में 02 प्राथमिक शालाएं शिक्षक विहीन एवं 111 प्राथमिक शालाएं एकल शिक्षकीय तथा 07 पूर्व माध्यमिक शाला और 05 हाईस्कूल एकल शिक्षकीय थे। युक्तियुक्तकरण से इन स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था कर दी गई है। जिले में प्राथमिक शालाओं में 202 एवं पूर्व माध्यमिक शालाओं में 31 शिक्षक और हाई स्कूल-हायर सेकेंडरी स्कूलों में 43 व्याख्याता अतिशेष थे, जिनका युक्तियुक्तकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि कबीरधाम जिले में 02 प्राथमिक शाला का समायोजन किया गया है। युक्तियुक्तकरण से विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता के साथ ही एक ही परिसर में विद्यालय होने से आधारभूत संरचना मजबूत होगी और स्थापना व्यय में भी कमी आएगी।

कबीरधाम जिले में 1609 स्कूलों में से 1607 स्कूल यथावत संचालित रहेंगी। सिर्फ 02 स्कूलों का समायोजन किया गया है, जिनमें छात्रों की संख्या बहुत कम थी और पास में बेहतर विकल्प मौजूद थे। एक ही परिसर में स्थित विद्यालयों को समाहित किया गया है। इसके साथ ही अतिशेष शिक्षकों का समायोजन कर एकल शिक्षकीय और शिक्षक विहीन विद्यालयों में पदस्थापना की गई है। युक्तियुक्तकरण से लगभग 90 प्रतिशत बच्चों को तीन बार प्रवेश प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी और बच्चों की पढ़ाई में गुणवत्ता के साथ ही निरंतरता भी बनी रहेगी। । अच्छा लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही जगह देना आसान होगा तथा बच्चों के ड्रॉपआउट दर में भी कमी आएगी।

# प्रोजेक्ट युवा की सफलताः सुनील, कीर्तन, भुवन ने शौक को बनाया स्वरोजगार का जरिया

■ **युवा की संकल्पना को मूर्त रूप देकर धमतरी के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही स्व रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार का आभार जताया**

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में युवाओं के लिए सरकार द्वारा रोजगारपरक योजनाओं में से एक प्रोजेक्ट योजना के तहत धमतरी जिले के तीन युवकों के लिए आय का साधन बन गया है। धमतरी जिले में प्रोजेक्ट युवा के परिणाम अब आने शुरू हो गए हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत फोटोग्राफी का निःशुल्क प्रशिक्षण लेकर गंगरेल-रुद्री के तीन युवाओं ने अपने शौक को अब रोजगार के रूप में अपना लिया है। सुनील साहू, कीर्तन साहू और भुवन मीनपाल ने महानदी के किनारे अंगारमोती में अपनी फोटोग्राफी की दुकान खोली है। तीनों युवा यहाँ माँ अंगार मोती के दर्शन के लिए आने वाले पर्यटकों की अलग अलग लोकेशनों में आकर्षक फोटो खींचकर तुरंत प्रिंट उपलब्ध करा देते है। तीनों युवा हर दिन एक से डेढ़ हज़ार रुपए कमा रहे हैं। इन तीनों ने प्रोजेक्ट युवा की संकल्पना को मूर्त रूप देकर धमतरी के युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही स्व रोजगार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार का आभार जताया है।

फोटोग्राफी की निःशुल्क ट्रेनिंग ने फोटोग्राफी की कला को निखारा। फोटोग्राफी की कला अब कमाई का जरिया बन गया है, फोटोग्राफी कभी सिर्फ शौक था, अब वही रोज़गार बन चुका है। गंगरेल के स्थानीय निवासी कीर्त्तन कुमार साहू और उनके साथी सुनील साहू तथा भुवन मीनपाल आज फोटोग्राफी के जरिए आत्मनिर्भर बन चुके हैं। जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निः शुल्क फोटोग्राफी प्रशिक्षण की बदौलत। कीर्तन साहू बताते हैं, हम पहले भी फोटो खींचते थे, फोटोग्राफी हमारा शौक था, लेकिन तकनीक और समझ की कमी थी। जब जिला प्रशासन ने प्रोजेक्ट युवा में फोटोग्राफी का निःशुल्क प्रोफेशनल प्रशिक्षण दिया, तब समझ आया कि फोटो सिर्फ क्लिक नहीं होती, बल्कि एक कला होती है। तीनों साथियों ने इस प्रशिक्षण में फोटोग्राफी की बारीकियां सीखी। कैमरे के प्रकार से लेकर लाइट, अपर्चर, स्पीड, फ्रेम सब की जानकारी मिली। इंडोर और आउट डोर फोटोग्राफी के गुर भी सीखें।

ट्रेनिंग के बाद आज कीर्तन, सुनील और भुवन तीनों ने मिलकर गंगरेल डैम और अंगारमोती परिसर जैसे पर्यटन स्थलों पर फोटोग्राफी का काम शुरू किया हैं। छुट्टी के दिनों और विशेष मेला-मड़ई के अवसर पर भीड़ वाले दिनों में इनकी कमाई एक से डेढ़ हज़ार रुपये प्रतिदिन तक पहुंच जाती है, जबकि सामान्य दिनों में पाँच सौ से एक हज़ार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। प्रोजेक्ट युवा के तहत निःशुल्क ट्रेनिंग ने न सिर्फ इनकी कला को निखारा, बल्कि कमाई का साधन भी बना दिया। यह पहल उन युवाओं के लिए मिसाल है, जो हुनर तो रखते हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा नहीं मिलती। प्रशिक्षण के बाद इन तीनों युवाओं को फोटोग्राफी का स्टाल शुरू करने के लिए भी जिला प्रशासन ने मदद की है । इन्हें रेडीमेड और आसानी से असेंबल होने वाले आकर्षक स्टॉल भी निःशुल्क दिए गए है। अब ये युवा एक बैट्री से चलने वाले प्रिंटर की मदद से पर्यटकों के आकर्षक फोटो प्रिंट कर तत्काल उपलब्ध करा देते हैं। रियायती दरों पर लोगों को उनके पेन ड्राइव या मोबाइल में भी फोटो की सॉफ्ट कॉपी भी उपलब्ध कराई जा रही है। अब पर्यटकों को भी अपने प्रवास की मधुर स्मृतियाँ इस फोटो बूथ से मिल रही है। धमतरी जिले के बारहवीं कक्षा से लेकर कॉलेज तक में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आज के जमाने की डिजीटल तकनीकों और पेशेवर कौशलों में प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

### एग्रीस्टेक परियोजना के तहत किसानों के पंजीयन के लिए लगेंगे 12 जून से 9 जुलाई तक शिविर

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार एग्रीस्टेक परियोजना के तहत जिले के शत प्रतिशत किसानों का पंजीयन एग्रीस्टेक एप्प-पोर्टल के माध्यम से कराने जिले के सभी 20 धान खरीदी केंद्रों के ग्राम पंचायत भवन में 12 जून से 9 जुलाई 2025 तक शिविर आयोजित किया जा रहा है। किसानों का निःशुल्क पंजीयन कराने में सहयोग के लिए कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने कृषि, उद्यान एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है, जो संबंधित धान खरीदी केंद्रों के ग्राम पंचायत भवन में आयोजित शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर और किसानों को उपस्थित कराकर ग्राहक सेवा केन्द्र (सीएससी) के मैनेजर से समन्वय कर किसानों का पंजीयन कार्य पूर्ण कराएंगे। एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत जिले में कृषि खातेदारों की संख्या 95 हजार 507 है, जिसमे धान विक्रय करने वाले किसान 19 हजार 294 तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत कुल हितग्राही 30 हजार 166 किसानों का पंजीयन (फार्मर रजिस्ट्री) किया जाना है। अब तक जिले के कुल 25 हजार 743 किसानो का पंजीयन किया गया है तथा 69 हजार 764 किसानों का पंजीयन किया जाना शेष है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा संबंधित क्षेत्र के ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी अपने क्षेत्र के प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि लाभार्थी शिविर में उपस्थित रहकर मोबाइल एप्प के माध्यम से किसानों को शिविर में बुलाकर उनका पंजीयन सुनिश्चित करेंगे। पटवारी अपने आई.डी. में कृषक पंजीयन सत्यापन हेतु आने वाले डाटा की जांचकर अनुमोदन करना सुनिश्चित करेंगे तथा अपने क्षेत्र के कोटवार के माध्यम से योजना के प्रचार-प्रसार हेतु मुनादी करायेंगे।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### गांजा के साथ चार गिरफ्तार

**रायपुर।** राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस के टीम ने अवैध गांजा के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 5 किलो 400 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने गांधी नगर सुलभ के पास कालीबाड़ी में दबिश देकर आरोपी राजेश गुप्ता 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से झोला में रखे 1 किलो 300 ग्राम गांजा जब्त किया है। वहीं सरस्वती नगर पुलिस ने डुमरतालाब पार स्थित पीपल पेड़ के पास दबिश देकर आरोपी रवि मिश्रा 24 वर्ष और अकरांत देवार 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 3 किलो गांजा जब्त किया है। इसी तरह गुढ़ियारी पुलिस ने गोंदवारा ओव्हर ब्रीज के पास आरोपी राजकुमार कोसरिया 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

### अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

**रायपुर।** तेलीबांधा और खमतराई थाना क्षेत्र से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार संस्कार केटर्स लाभांडी निवासी प्रवीण कुमार 30 वर्ष ने तेलीबांधा थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केयू 7103 को लाभांडी शराब दुकान के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं तिरंगा चौक कविलाश नगर भनपुरी निवासी राजेश कुमार गुप्ता 46 वर्ष ने खमतराई थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनवाय 8022 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

### दुकान से नकदी सहित हजारों रुपए के सामान पार

**रायपुर।** नेहरू कॉम्पलेक्स स्थित दुकान के शटर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी सहित हजारों रुपए का सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।
मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष कुमार साहू 38 वर्ष वार्ड क्रमांक 19 नवापारा का रहने वाला है। प्रार्थी का नेहरू कॉम्पलेक्स में संसार कृषि केंद्र नाम से दुकान है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के दुकान का ताला तोड़कर नकदी 75 हजार सहित 1 नग टीवी और 2 नग कैमरा पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

### यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले 660 वाहन चालकों पर कार्यवाही

**राजनांदगांव।** राजनांदगाव यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन पर 660 वाहनों पर कार्यवाही कर वाहन चालकों से 370600 रूपये जुर्माना वसूला गया है।
माह जून, 2025 में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन अतिरिकत पुलिस अधीक्षक मुकेश ठाकुर नक्सल ऑपरेशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में निरीक्षक अजय खेस निरी. नवरतन कश्यप एवं यातायात टीम द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकां पर मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया। ओव्हर स्पीड वाहनों में 62 प्रकरण, शराब सेवन कर वाहन चलाना 05 प्रकरण, दुपहिया वाहन में बिना हेलमेट 196 प्रकरण, काला शीशा में 07 प्रकरण ,चारपहिया वाहनों में बिना सीट बेल्ट 22 प्रकरण,नाबालिक द्वारा वाहन चालकों पर 05 प्रकरण, प्रेशर हार्न का उपयोग 19 प्रकरण ,दुपहिया वाहन में तीन सवारी पर 126 प्रकरण, वाहन चलाते मोबाईल फोन का उपयोग 07 प्रकरण तथा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 211 वाहनों में कार्यवाही किया गया। इस प्रकार कुल 660 वाहन चालकों से 370600 रूपये जुर्माना वसूला गया है। यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगा।

# टूर एण्ड ट्रेवल की फ्रेंचाइजी के नाम पर डेढ़ करोड़ की ठगी, शातिर दंपति गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई। स्मृति नगर चौकी पुलिस ने ठगी के आरोपी शातिर दंपति को गिरफ्तार किया है। दोनों ने मिलकर टूर एण्ड ट्रेवल की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर डेढ़ करोड़ रुपए की ठगी की। दोनों इतने शातिर हैं कि इन्होंने कई लोगों को अपना शिकार बनाया। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।**

इस दौरान पता चला कि दोनों ठगी के एक अन्य मामले में बालोद जेल में बंद हैं। इसके बाद दुर्ग पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड लेकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार नेहरू नगर निवासी टीवी जय प्रदीप पिता आरटी पनिकर (49) ने चौकी स्मृति नगर थाना सुपेला में सूचना दी। उन्होंने बताया कि 6 सितंबर 2022 को लेट्स ट्रेवल फ्री के नाम से आफिस सूर्या माल जुनवानी में संचालित हो रहा था। इसका संचालन नागेश कुमार धारा व आरती द्वारा किया जा रहा था। दोनों पति पत्नी हैं और टूर एण्ड ट्रेवल्स की फ्रेंचाइजी व अन्य स्कीम में निवेश से लाखों का फायदा दिखाकर कई लोगों से रकम ऐंठ लिया।

दंपति ने जय प्रदीप से 45 लाख रुपए फ्रेंचाइजी व अन्य स्कीम के नाम पर लिया। इसके अलावा रामकिशोर सिंह से 10 लाख 40 हजार रुपए, इन्द्रजीत कौर से 80 लाख रुपए, विवेक विष्वकर्मा से 10 लाख 40 हजार रुपए, इन्द्रजीत गुलाटी से 2 लाख रुपए सहित अन्य लोगों से ठगी की। अब तक दोनों के द्वारा डेढ़ करोड़ से ज्यादा की ठगी का मामला सामने आया। इस मामले में धारा 420,120-बी भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया है।

आरोपी नागेष कुमार धारा (52) निवासी रामदास नगर कडलू जिला कसरगोड व उसकी पत्नी आरती (52) निवासी ग्राम कसरगोड बालोद जिले में ठगी के ही एक अन्य मामले में जेल में बंद होने की जानकारी दुर्ग पुलिस को मिला।

इसके बाद स्मृति नगर चौकी पुलिस ने न्यायालय से प्रोडक्शन वांरट जारी कराकर गुरुवार को गिरफ्तार कर दुर्ग लाया गया। दंपति को न्यायिक रिमांड पर न्यायलय में प्रस्तुत कर केन्द्रीय जेल दुर्ग भेजा गया है। दोनों के खिलाफ बेंगलुरू सिटी में धारा 420,34 व थाना राजहरा जिला बलोद में धारा 420,34 भादवि का प्रकरण दर्ज है।

# अवैध शराब बिक्री कर रहे महिला समेत चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुर।** जशपुर पुलिस ने शराब कोचियों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए डीपाटोली, रक्षित कालोनी व गाढ़ा टोली जशपुर में छापामारी कर 150 लीटर अवैध देशी कच्ची महुआ शराब व 1000 किलो महुआ शराब बनाने हेतु प्रयुक्त पास को जप्त किया है। एसएसपी के निर्देश पर 25 से अधिक पुलिस कर्मियों ने सुबह- सुबह एक साथ कोचियों के अड्डे पर दबिश देकर उक्त कार्यवाही को अंजाम दिया। मामलें में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

बता दें कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश व नेतृत्व में जशपुर पुलिस के द्वारा लगातार नशे के सौदागरों के विरुद्ध विशेष अभियान ऑपरेशन आघात चलाया गया है, जिसके तहत जशपुर पुलिस अवैध शराब व अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों के परिवहन करने, विक्रय करने वालो पर लगातार कार्यवाही भी कर रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 12.06.25 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर के दिशा निर्देश पर, थाना प्रभारी सिटी कोतवाली जशपुर टी आई आशीष कुमार तिवारी सहित 25 से अधिक पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा एक साथ सुबह -सुबह, जशपुर के डिपाटोली, गाढ़ा टोली व रक्षित कालोनी में अचानक, शराब कोचियों के अड्डों पर छापामारी की गई है। इस दौरान पुलिस के द्वारा छापामारी कर 150 लीटर महुआ शराब व 1000 किलो महुआ पाश को जप्त किया गया है तथा एक महिला सहित कुल चार आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। मामले में पुलिस ने सचिन राम उम्र 42 वर्ष, निवासी डिपाटोली जशपुर, विकास राम उम्र 34 वर्ष निवासी डीपाटोली जशपुर, तमजीर अंसारी, उम्र 50 वर्ष निवासी करबला रोड जशपुर तथा शशिकला नायक, उम्र 40 वर्ष निवासी रक्षित पारा जशपुर को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है। मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर में अवैध शराब बिक्री की जानकारी मिलने पर पुलिस के द्वारा , शराब कोचियों के अड्डों पर एक साथ छापेमारी की गई, डेढ़ सौ लीटर कच्ची महुआ शराब को जप्त किया गया है।

# अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर कलेक्टर ने बाल श्रम रोकने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**महासमुंद।** अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर आज कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, पुलिस प्रशासन सहित बाल श्रम न्यायालय, जिला बाल संरक्षण इकाई, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, व्यवसायी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री लंगेह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में किसी भी प्रकार से बाल श्रम की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों का बचपन शिक्षा, सुरक्षा और संरक्षण में बीते, यह हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संयुक्त जांच दल द्वारा होटल, ढाबा, निर्माण स्थलों, दुकानों एवं अन्य संभावित स्थलों पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विकासखंडों में बाल श्रम विरोधी रैली, पोस्टर प्रदर्शन, रैली एवं स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बाल संरक्षण समिति की बैठक हर माह आयोजित कर समीक्षा करने कहा है।

कलेक्टर ने कहा कि लंबे समय से स्कूलों में अनुपस्थित बच्चों को स्कूलों में पुन: प्रवेश सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही उनके परिवारों को शासन की योजनाओं से जोड़ा जाएगा। जिले में 15 जून से 30 जून तक जिला स्तरीय बाल श्रम विरोधी अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने बाल श्रम की रोकथाम के लिए बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 की धारा 13, 14 तथा सहपठित धारा 15 के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

श्रम पदाधिकारी श्री डी.एन. पात्र ने बताया कि जिले में टास्क फोर्स के माध्यम से वर्ष 2024 में कुल 92 संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें श्रम विभाग द्वारा कुल 14 संस्थानों के विरूद्ध माननीय श्रम न्यायालय में अभियोजन दायर किया गया। माननीय श्रम न्यायालय द्वारा कुल 09 संस्थानों के विरूद्ध राशि 5000 रुपए की दर से कुल राशि 45 हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। शेष 05 संस्थानों का प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है। इसी तरह वर्ष 2025 (09 जून 2025 की स्थिति में) में कुल 52 संस्थानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें श्रम विभाग द्वारा कुल 20 संस्थानों के विरूद्ध सूचना प्रदर्शन बोर्ड चस्पा नहीं होने के कारण धारा-12 अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। जिसमें से कुल 12 संस्थानों के विरूद्ध माननीय श्रम न्यायालय में अभियोजन दायर किया गया। उक्त कुल 12 संस्थानों का प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है।

# भिलाई तीन में ढाई साल के मासूम को आवारा कुत्ते ने नोंच-नोंचकर किया घायल, परिजनों का हाल बेहाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई। ढाई साल के एक मासूम को आवारा कुत्ते ने नोंच नोंचकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। यह खौफनाक मामला भिलाई-3 के गांधी नगर वार्ड में सामने आया है। कुत्ते के काटने से घायल मासूम शिवांश की हालत देखकर उसके पिता विनोद धुरी और माता रीता धुरी का रो रोकर बुरा हाल है। इस घटना ने नगर निगम भिलाई-चरोदा के आवारा कुत्तों के बधिया करण को लेकर किए जा रहे दावे की पोल खोलकर रख दी है।**

गांधी नगर भिलाई-3 निवासी विनोद धुरी का ढाई वर्षीय बेटा शिवांश बुधवार को शाम को घर के पास गली में खिलौने वाली तीन चकिया गाड़ी चलाकर खेल रहा था।

इसी दौरान एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला बोल दिया। कुत्ते के अचानक हमला बोलने से शिवांश अपनी खिलौना वाली गाड़ी से गिर पड़ा। उसके गिरते ही कुत्ता उसे नोंचने लगा। मासूम के चिल्लाकर रोने की आवाज सुनकर पड़ोस में रहने वाला एक शख्स डंडा लेकर आया और कुत्ते को भगाया। लेकिन तब तक कुत्ता शिवांश को नोंच नोंचकर गंभीर रूप से घायल कर चुका था। कुत्ते ने शिवांश के शरीर के कई हिस्से में काटा है। जिससे उसके कपड़े खून से सन गए।

कुत्ते के काटने से मासूम बेटे की दयनीय हालत देखकर पिता विनोद और उसकी मां रीता धुरी अपने आंसू नहीं रोक सके। तुरंत उसे स्थानीय निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहां से उपचार के बाद बच्चे को घर लेकर आ गए। इस घटना के बाद से मासूम शिवांश बेहद डरा हुआ है।

घर के बाहर किसी कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनकर वह सहम जा रहा है। उसकी ऐसी हालत देखकर उसके माता पिता के साथ साथ पड़ोसियों में भी नगर निगम के आवारा कुत्तों की धरपकड़ और बधिया करण के प्रति कायम उदासीनता को लेकर जमकर नाराजगी देखी जा रही है।

### निगम प्रशासन की लापरवाही उजागर

गांधी नगर वार्ड के पूर्व पार्षद लावेश मदनकर ने कहा है कि मासूम शिवांश धुरी के साथ हुई घटना ने नगर निगम प्रशासन की लापरवाही को उजागर किया है। उन्होंने बताया कि अप्रैल महीने में आयोजित सुशासन शिविर में उनके द्वारा आवारा मवेशी, सुअर और आवारा कुत्तों को शहर से मुक्त किए जाने की मांग रखते हुए आवेदन दिया था। जिसका जवाब नगर निगम की ओर से उन्हें 25 अप्रैल को दिया गया है। निगम प्रशासन ने जवाबी पत्र में आवश्यकतानुसार काउकेचर से मवेशियों को हटाने और आवारा कुत्तों के बधिया करण किए जाने की जानकारी देकर एक तरह से पल्ला झाड़ लिया। अगर आवारा कुत्तों का बधिया करण हो रहा है तो फिर उनकी संख्या लगातार कैसे बढ़ रही है। आखिर शिवांश के साथ जो हुआ उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा।

# यातायात पुलिस ने किया क्विक रिसोन्स टीम का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बिलासपुर। यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा यात्रियों के लिए सुगम आवागमन हेतु उल्लेखनीय एवं सक्रिय पहल करते हुए क्विक रिसोन्स टीम का गठन किया गया है। शहर में कहीं पर भी अनायास एवं आकस्मिक आवागमन बाधित होने, यातायात जाम एवं यातायात व्यस्तम होने के दौरान तत्काल पहुंचेगी टीम ।**

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में शहर में सरल, सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आवागमन हेतु कहीं पर भी यातायात व्यवधान की स्थिति निर्मित ना हो इस हेतु लगातार प्रयास किया जा रहा है एवं कहीं पर भी यातायात व्यवधान की सुचाना यातायात पुलिस बिलासपुर को प्राप्त होने पर तत्काल ही कैसे यातायात व्यवस्था सुचारु किया जावे। इस हेतु यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा क्विक रिस्पांस टीम अर्थात तत्काल प्रतिक्रिया समूह का निर्माण किया गया है। इसके तहत यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा मुख्यालय स्तर पर 12 सदस्य टीम का गठन किया गया है जिसके द्वारा कभी भी शहर में कहीं पर भी यातायात व्यवधान, जाम या अत्यधिक यातायात दबाव की स्थिति में सबंधित जगह पर पहुंचकर चौक, चौराहे, मुख्य मार्ग एवं पहुंच मार्ग में यातायात व्यवस्था सुचारू किए जाने का अविलम्ब प्रयास करती है। इस हेतु स्वयं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा उक्त 12 सदस्यीय टीम सहित उक्त जगह पर पहुंचकर यातायात को तत्काल सुचारू एवं दुरुस्त किया जाता है।

ज्ञातव्य हो कि बिलासपुर में कई ऐसे ट्रेफिक पॉइंट है जो कि बॉटल नेक की तरह संरचना निर्मित करते हैं जिसके कारण प्रात: 10:00 बजे से लेकर के 11:00 तक एवं शायं 4:00 बजे से लेकर रात्रि 8:00 बजे के बीच अत्यधिक यातायात दबाव का सामना करना पड़ता है जिसमें प्रमुख रूप से इंदिरा सेतु, रामसेतु, उसलापुर ब्रिज एवं महाराणा प्रताप ब्रिज प्रमुख है जहां पर नियमित रूप से यातायात दबाव का सामना करना पड़ता है खास कर आफिस जाने और ऑफिस छूटने के समय के दौरान और भी यातायात दबाव की स्थिति होता है। इस दौरान कई बार कोई ना कोई गाड़ियां या बस ब्रेकडाउन या पुल के ऊपर बंद होने की जानकारी भी आती है जिसके कारण मिनटों के अंदर गाड़ियों का तांता लगने की स्वाभाविक स्थिति बनती है अत: ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में क्विक रिस्पांस टीम का तत्काल हरकत में आते हुए उक्त जगह पर पहुंचकर यातायात व्यवधान की स्थिति को आवागमन की दृष्टि से सुगम बनाने का काम की जाती है।

उक्त क्विक रिस्पांस टीम नियमित रूप से जिला यातायात मुख्यालय एवं अन्य पॉइंट ड्यूटी पर मौजूद रहती है और कार्यालय कार्यों एवं पॉइंट ड्यूटी के कार्यो का निष्पादन करते हुए जब भी किसी भी प्रकार की सूचना यातायात व्यवधान के संबंध में प्राप्त होती है तत्काल ही सक्रिय होते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में यातायात व्यवधान वाली जगह में पहुंचकर आवा गमन को शीघ्र सुचारु करने में अपनी भूमिका निभाती है।

इसी संदर्भ में आज लगभग 11:30 बजे शहर के अत्यंत व्यस्थतम आवागमन दबाव वाले महत्वपूर्ण पुल इंदिरा पुल के ऊपर में भोले नाथ बस के ब्रेकडाउन होने पर क्विक रिस्पांस टीम पहुंचकर तत्काल ही इंदिरा पुल के मध्य में ब्रेकडाउन हुए बस को धक्का देकर महामाया चौक के पास चौक के किनारे में ले जाकर बाधित हुए आवागमन को दुरुस्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाई। उक्त क्विक रिस्पांस टीम में यातायात पुलिस बिलासपुर मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे, उप निरीक्षक आदित्य सिंह, प्रधान आरक्षक दीपक घोष, शैलेन्द्र सिंह, उदय राम, धन सिंह, आरक्षक रोशन खेस, भुनेश्वर मरावी, राज श्रीवास, रोहित साहू, धन राज, कुशल साहू, मंगलू राम, सौरभ चौबे, सुशील ध्रुव, हरवंश पटेल एवं समय समय पर अन्य पॉइंट से यातायात के बल को त्वरित बुला कर आवागमन दुरुस्त करने का कार्य करते है।

# दुर्ग पुलिस ने अड्डेबाजों के खिलाफ चलाया अभियान,14 पकड़ाये

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** दुर्ग पुलिस ने अड्डेबाजी करने वाले,सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 14 व्यक्तियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की है। यह कार्यवाही दुर्ग, भिलाई नगर, छावनी, अनुविभाग में की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 11-6-2025 को संध्या 6 से रात्रि 12 बजे तक अड्डेबाजी, सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, भिलाई नगर, छावनी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया ।

छावनी अनुविभाग में नगर पुलिस अधीक्षक छावनी के नेतृत्व में थाना छावनी के बैकुंठधाम, सुंदरनगर, सुभाषनगर, मूढकट्टा स्कूल थाना जामुल के शिवपुरी, सुरडुंग , हाउसिंग बोर्ड, काली बाड़ी,कुरूद बस्ती थाना खुर्सीपार के आईटीआई ग्राउंड, जीरो प्वाइंट ट्रांसपोर्ट नगर, तेलहा नाला, वीर नारायण सिंह वार्ड थाना पुरानी भिलाई के पुरैना, विश्वबैंक कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड चरोदा, उमदा तथा थाना कुम्हारी के बाजार पारा, उड़िया बस्ती, खपरी, रामपुर में जाकर चेकिंग की गई।

थाना जामुल से 4 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी की कार्यवाही की गई। अड्डेबाजी के लिए स्पॉट बनने वाले होटल, ढाबा, ठेला और दुकानों को रात 11.30 बजे तक बंद कराया गया। इसी प्रकार दुर्ग अनुविभाग में थाना दुर्ग, मोहन नगर, पद्मनाभपुर एवं पुलगांव क्षेत्र में चेकिंग कर पदमनाभपुर से 03 एवं मोहन नगर से 03 कार्रवाई आबकारी एक्ट के अंतर्गत की गई।

भिलाई नगर अनुविभाग अंतर्गत थाना भिलाई नगर निवाई भट्टी सुपेला एवं वैशाली नगर क्षेत्र में चेकिंग कर कार्यवाही की गई, जिसमें सुपेला में 3 एवं नेवई में 1 कार्यवाही आबकारी एक्ट के अंतर्गत की गई है । इस प्रकार अड्डे बाजी एवं सार्वजनिक स्थलों पर शराब का सेवन करने वाले 14 व्यक्तियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। कार्यवाही हेतु अभियान लगातार जारी रहेगा।

# मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में ई-गवर्नेंस की ओर बड़ा कदम मोबाइल एप पर मिलेगी कर्मचारियों की 'कुंडली'

## मुख्यमंत्री साय की पहल से कर्मचारियों को डिजिटल सुविधा : सेवा जानकारी अब मोबाइल एप पर अपडेट

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन ई-गवर्नेंस के माध्यम से सुशासन को सशक्त और सहज बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। डिजिटल प्रशासन पारदर्शी समाधान की नीति को आगे बढ़ाते हुए, प्रदेश सरकार ने अब कर्मचारियों की सेवा जानकारी को मोबाइल एप के माध्यम से अद्यतन करने की अभिनव पहल की है। यह प्रयास मुख्यमंत्री साय की उस सोच को दर्शाता है जिसमें प्रत्येक कर्मचारी की सुविधा, सम्मान और अधिकार सुरक्षित हों — तेज़, सरल और भरोसेमंद प्रणाली के माध्यम से। इसी कड़ी में प्रदेश के लगभग 4 लाख सरकारी कर्मचारियों की सीआर के लिए अब फइलें पलटने का झंझट समाप्त हो गया है।कर्मचारियों की प्रोफइल अब एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप पर अद्यतन (अपडेट) की जाएगी। इससे सेवानिवृत्ति, पदोन्नति, वेतन विसंगति आदि के समय किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

नई व्यवस्था के अनुसार अब कर्मचारियों की प्रोफइल को कार्मिक संपदा पोर्टल पर लोड और अपडेट करना अनिवार्य होगा। इसके लिए एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप और वेब पोर्टल विकसित किए गए हैं।संचालनालय कोष एवं लेखा की इस नई व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कर्मचारियों की सेवा संबंधी कुंडली को अद्यतन रखने में यह व्यवस्था अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। हालाँकि 2019 से कार्मिक संपदा मॉड्यूल का उपयोग किया जा रहा है, किंतु यह नवीन डिजिटल प्लेटफॉर्म कर्मचारियों को उनकी व्यक्तिगत एवं सेवा संबंधी जानकारी त्वरित व सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराएगा। संचालक कोष एवं लेखा रितेश अग्रवाल ने कहा कि यह पाया गया है कि कार्मिक संपदा पोर्टल पर अधिकांश कर्मचारी अपनी जानकारी अपडेट नहीं करते हैं, जिसके कारण सेवानिवृत्ति के समय उन्हें अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कार्मिक संपदा मॉड्यूल में व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख की होती है, लेकिन इसमें समय लगने के कारण असुविधाएँ उत्पन्न होती हैं। इन समस्याओं के समाधान हेतु एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप विकसित किया गया है, जो कर्मचारियों को स्वयं लॉगिन कर अपनी जानकारी अपडेट करने की सुविधा देता है।

अब सेवा संबंधी जानकारी, नामिनी परिवर्तन, बैंक खाता परिवर्तन आदि के लिए कार्यालय प्रमुख पर निर्भरता नहीं रहेगी, जिससे अनावश्यक विलंब की स्थिति में भी कमी आएगी। स्थानांतरण, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और अन्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रगति सुनिश्चित होगी। साथ ही सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाले लाभ जैसे पेंशन, जीपीएफ, उपादान, अवकाश नगदीकरण आदि प्रकरणों का शीघ्र निराकरण संभव होगा, क्योंकि संबंधित डेटा अद्यतन रहेगा।

### कार्मिक संपदा एप से मिलेंगे ये प्रमुख लाभ

कर्मचारियों से प्राप्त सेवा संबंधी आवेदनों का निपटारा सक्षम अधिकारी समयबद्ध तरीके से कर सकेंगे। मॉड्यूल के अद्यतन होने से वेतन विसंगति से जुड़ी समस्याएँ कम होंगी। कर्मचारी एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल एप या वेब एप्लिकेशन पर लॉगइन कर जानकारी स्वयं अपडेट कर सकते हैं। प्रोफइल अद्यतन की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से यह एप और पोर्टल तैयार किया गया है। इसके उपयोग के लिए एसओपी (Standard Operating Procedure) की जानकारी https//ekoshonline.cg.gov.in में दी गई है। साथ ही, शासकीय कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति उपरांत महालेखाकार कार्यालय में अंतिम जीपीएफदावा को पूर्णतः ऑनलाइन माध्यम से प्रस्तुत करने की व्यवस्था भी तैयार की गई है। इससे दावे के निराकरण में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन जीपीएफक्रेडिट मिसिंग मॉड्यूल भी विकसित किया गया है, जिससे कार्यालय प्रमुख और कर्मचारी सेवा काल के दौरान मिसिंग जीपीएफएंट्री का ऑनलाइन सुधार कर सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि राज्य शासन का प्रत्येक निर्णय आम जन और कर्मचारियों के हित में हो। यह डिजिटल पहल कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, प्रक्रिया में पारदर्शिता और त्वरित निपटान की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो छत्तीसगढ़ को ई-गवर्नेंस की अग्रणी श्रेणी में स्थापित करता है।

# नारी शिक्षा और सशक्तिकरण में अहिल्याबाई होल्कर का महत्वपूर्ण योगदानः मुख्यमंत्री साय

## कन्वेंशन सेंटर का नामकरण महारानी अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरबा जिले के प्रवास के दौरान कन्वेंशन सेंटर में लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का लोकार्पण किया और कन्वेंशन सेंटर को महारानी के नाम पर करने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने जिलेवासियों को लगभग 223 करोड़ 88 लाख रूपए से अधिक लागत के 66 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर प्रजावत्सल और न्यायप्रिय शासक थी। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही उन्होंने देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों को संवारा और नई पहचान दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कन्वेन्शन सेंटर को वातानुकूलित बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे छः माह पहले भी कोरबा आये थे, इस दौरान भी 600 करोड़ रूपए से अधिक की राशि के विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी गई।

आज सवा दो सौ करोड़ के विकास कार्यों की सौगात से कोरबा जिले के लोगों को लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री साय ने ऐलुमिनियम पार्क की स्थापना के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम के तहत कन्वेन्शन सेंटर परिसर में सिंदूर का पौधा भी लगाया। उन्होंने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री अरूण साव और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन भी ने सम्बोधित किया।

### लोकार्पण एवं शिलान्यास

मुख्यमंत्री साय द्वारा लोकार्पित किए गए कार्यों में मुख्य रूप से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 11 गांवों में एकल ग्राम नल-जल योजना, 3 गांवों में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन, स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय नवीन भवन/जीर्णोद्धार कार्य, और 47 छात्रावासों-आश्रमों में 2.4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापना कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार भूमि पूजन के प्रमुख कार्यों में नगर पालिक निगम कोरबा हेतु 100 टीपीडी सालिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा अंतर्गत सिटी बस डिपो-टर्मिनल कॉपलेक्स, 100 बेड हॉस्पिटल में एसएनसीयू हॉल, प्रशिक्षण हॉल सहित अन्य निर्माण कार्य, अयोध्यापुरी तालाब में जल संवर्धन कार्य एवं जिला खनिज संस्थान न्यास मद तथा 15 वें वित्त आयोग के विभिन्न कार्य शामिल हैं।

# वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में रामगढ़ महोत्सव का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्तिमय गीतों से गूंज उठा रामगढ़ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहीमूलक सामग्रियों का हुआ वितरणसांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्तिमय गीतों से गूंज उठा रामगढ़ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहीमूलक सामग्रियों का हुआ वितरणसांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्तिमय गीतों से गूंज उठा रामगढ़ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहीमूलक सामग्रियों का हुआ वितरणसांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भक्तिमय गीतों से गूंज उठा रामगढ़ विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहीमूलक सामग्रियों का हुआ वितरण दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का भव्य समापन गुरुवार को वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सरगुजा और बस्तर जैसे अंचलों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा अपने पहले बजट में मैंने इन क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष प्रावधान किए हैं और भविष्य में भी इन क्षेत्रों को हरसंभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि रामगढ़ की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए इस महोत्सव को बजट में शामिल कर एक नियमित वार्षिक आयोजन के रूप में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास द्वारा यहीं 'मेघदूतम' की रचना की गई थी, यह स्थल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है।

अपने उद्बोधन की शुरुआत मंत्री श्री चौधरी ने भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी, रामगढ़ और महाकवि कालिदास के जयकारों के साथ की। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं रामगढ़ महोत्सव में सम्मिलित हुआ। सोलह वर्ष पूर्व जब मैं सरगुजा जिला पंचायत में सीईओ था, तब रामगढ़ आना हुआ था। आज फिर वही आत्मीयता और अपनापन अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बनी सरकार ने बीते डेढ़ वर्षों में जनहित के कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए हैं, 70 लाख बहनों को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर माह 1000 रूपए की सहायता राशि दी जा रही है।

# नवनिर्मित केशव भवन शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का बनेगा संगम - साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज प्रदेश की ऊर्जाधानी कोरबा स्थित प्रदेश के सबसे बड़े सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में नन्हें-मुन्हें बच्चों के लिए नवनिर्मित केशव भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह भवन शिक्षा, संस्कृति और संस्कारों का संगम बनेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केशव भवन बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा। सरस्वती शिशु मंदिर संस्था शिक्षा जगत में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। यहां विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि उत्तम संस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल विद्यालय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक सशक्त आधारशिला है, जहाँ से सच्चे राष्ट्रभक्तों का निर्माण होता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रप्रेम और नैतिक शिक्षा को समर्पित इस भवन को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु तैयार किया गया है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, अरुण साव, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, विधायक प्रेम चंद पटेल, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव, महापौर कोरबा संजू देवी राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधन समिति से जुड़े सदस्यगण तथा शिक्षक उपस्थित थे।

# हम सभी की साझी भागीदारी से ही पर्यावरण संरक्षण का संकल्प होगा पूरा : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर ।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित फइट अगेंस्ट ग्लोबल वार्मिंग कैंपेन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा, विकास का मूलमंत्र है और यह राष्ट्र के समग्र विकास की प्रारंभिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों ने भी शिक्षा के विस्तार में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। राज्य सरकार ने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विकसित छत्तीसगढ़ का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किया है और इस दिशा में निरंतर प्रयासों को गति प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 25 वर्ष का छत्तीसगढ़ आज अपनी रजत जयंती मना रहा है और इस यात्रा में राज्य ने चहुंमुखी विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे प्रतिष्ठित केंद्रीय संस्थान कार्यरत हैं, जो राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने वर्ष 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य तय किया है, जिसकी दिशा में देश ने तीव्र गति से कदम बढ़ाए हैं। छत्तीसगढ़ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में अग्रसर है। राज्य की आकर्षक नई औद्योगिक नीति के तहत केवल ऊर्जा क्षेत्र में ही तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृक्षारोपण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और विगत वर्ष चार करोड़ पौधे रोपे गए थे। राज्य सरकार एक पेड़ माँ के नाम और पीपल फॉर पीपुल जैसे नवाचार कार्यक्रमों को निरंतर जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नौनिहालों में पर्यावरण चेतना का विकास करना चाहिए, जिससे वे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने इस अभियान में भाग ले रहे सभी शिक्षकों और आयोजकों की सराहना की और कहा कि सामाजिक भागीदारी से ही हम शुद्ध हवा, निर्मल जल और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने संघ द्वारा आने वाले वर्षों में 11 लाख पीपल के वृक्षारोपण के संकल्प की सराहना की।

कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, अशासकीय विद्यालय संचालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुबोध राठी, सचिव मनोज पाण्डेय तथा अन्य प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य अशासकीय विद्यालय संचालक संघ एवं छत्तीसगढ़ राज्य गौ संरक्षण एवं संवर्धन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

# कोरबावासियों को मिलेगा कन्वेन्शन सेंटर का लाभः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा शहर के रिसदी में नवनिर्मित कन्वेन्शन सेंटर के नामकरण, प्रतिमा अनावरण और 223 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कन्वेन्शन सेंटर का नाम माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर करने के साथ ही प्रवेश द्वार पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया।

इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज कोरबा जिले को करोड़ो रूपये के विकास कार्यों की सौगात मिली है। इसमे 145 करोड़ रुपए के सड़क से सम्बंधित कार्य शामिल भी है। इससे जिले में आवागमन बेहतर होगा और कोरबावासियों को भी इसका समुचित लाभ मिलेगा। उन्होंने कन्वेन्शन सेंटर को वातानुकूलित बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि कन्वेन्शन सेंटर बहुत बड़ा है और इसमे अनेक बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। कोरबावासियों को इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने हाऊसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित कन्वेन्शन सेंटर की प्रशंसा भी की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वे छः माह पहले भी कोरबा आये थे, इस दौरान भी 600 करोड़ से अधिक की राशि के विभिन्न विकास कार्यों की सौगातें दी गई। आज सवा दो सौ करोड़ के विकास कार्यों की सौगात से कोरबा के लोगो को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर के प्रतिमा का अनावरण भी किया है। वे इंदौर की महारानी थी और निष्पक्ष और न्यायप्रिय थी। उन्होंने देश के महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों, धार्मिक स्थलों को संवारा और पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कोरबा में एल्युमिनियम पार्क की स्थापना की आई मांग पर भी आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। कोरबावासियों को विकास कार्यों की सौगात मिलने के साथ ही कन्वेन्शन सेंटर का नामकरण माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर किया गया। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर की जीवन को रेखांकित करते हुए कहा कि माता अहिल्याबाई ने महिलाओं की शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने, नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ ही देश के तीर्थ स्थानों, धार्मिक स्थलों को संवारने का काम किया। अपने राज्य की जनता के सुख-दुख में सहभागी बनने के साथ ही देश को आगे बढ़ाने का काम किया। उप मुख्यमंत्री साव ने प्रतिमा अनावरण एवं नामकरण होने पर सभी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उद्योग, वाणिज्य एवं श्रममंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विगत 16 माह के कार्यकाल में प्रदेश में विकास की गंगा बहाई है। उन्होंने मोदी की गारंटी को पूरा कर गरीबों का कल्याण किया है। मुख्यमंत्री साय ने कुछ दिन पहले ही कोरबावासियों को 650 करोड़ रूपये से अधिक राशि के विकास कार्यों की सौगात दी थी। बजट में भी उन्होंने कोरबा जिले के विकास के लिए राशि का प्रावधान किया है। इसके साथ ही वे जनता के प्रति संकल्पित होकर राज्य को विकास की दिशा में आगे ले जा रहे हैं। मंत्री देवांगन ने कोरबा जिले में एल्युमिनियम पार्क की स्थापना के लिये मुख्यमंत्री से आवश्यक सहयोग की भी मांग रखी।

कलेक्टर बसंत ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के शासन, शिक्षा आदि के योगदान को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर कटघोरा विधायक प्रेम चंद पटेल, अध्यक्ष गृह निर्माण मंडल अनुराग सिंहदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कंवर, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपुत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री ननकीराम कंवर, सहित जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950